दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-157 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 30 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

हजारों की संख्या में राजधानी पहुंचे किसानों का जमकर प्रदर्शन

कह रहे हैं किसान नेता- हमारी मांगे नहीं माने जाने तक रहेंगे भोपाल में ,शासन प्रशासन से नहीं मिल रही सुविधाएं

विलक्षण सक्सेना

भोपाल। 100 प्रतशित मूंग खरीदी और खाद वितरण की सही व्यवस्था के साथ ही किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की किसान क्रांति पैदल यात्रा में हजारों की संख्या में पहुंचे किसान मप्र की राजधानी भोपाल में जमकर प्रदर्शन कर रहे हैं। नारेबाजी कर रहे हैं। करीब ढाई हजार से ज्यादा किसान मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए निकले हैं। किसान नेता लीलाधर राजपूत, राकेश गौर, केशव साहू से हुई चर्चा में उन्होने बताया कि प्रदेश के अनेक स्थानों से किसान आ रहे हैं लेकिन अनेक स्थानों पर प्रशासन द्वारा किसानों को रोका जा रहा है। हमारी मांग को लेकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मिलने जा रहे हैं लेकिन हमें बार बार रोका जा रहा है।किसान नेताओं का कहना है कि शासन प्रशासन से अनेक दौर की वार्ता होने के बाद भी हमारी माांगों को अनदेखा किया जा रहा है। इसलिए किसानों के संयुक्त मोर्चा को प्रदेश की राजधानी आने को मजबूर होना पड़ा है। किसानों का जत्था नर्मदापुरम में मां नर्मदा की पूजा अर्चना करने के बाद पैदल मार्च करते हुए भोपाल पहुंचा है। दो दिन से भोपाल के तमाम मार्गों पर किसानों के समूह जमा होने से यातायात प्रभावित हुआ है। बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया है।

शासन प्रशासन से नहीं मिल रही सुविधाएं

किसान नेताओं ने बताया कि हमें शासन की और से कोई सुविधा नहीं दी जा रही है। हम अपने साधन से यहां पर नाश्ता भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं। हमने स्वयं भोजन सामग्री लेकर आए हैं। हमारे बच्चे जो भोपाल में पढ़ाई करने आए हैं उनके द्वारा भी नाश्ता भोजन पानी लाया जा रहा है। हमें लघु शंका तक के लिए भवन में नहीं जाने दिया जा रहा है कहा जा रहा है कि आप लोग खेत में ही जाएं।

मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की ठान ली है किसानों ने धक्का मुक्की के बीच अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं किसान

बैरिकेडिंग पारकर आगे बढ़े हजारों किसान

पैदल यात्रा की शुरूआत नर्मदापुरम से ही अनेक स्थानों की पुलिस की बैरिकेडिंग को पार कर हजारों किसान आगे बढ़ते हुए भोपाल पहुंचे हैं। भोपाल में भी बैरिकेडिंग को पार कर चुके हैं। शहर में पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि मांगें पूरी होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। हम सप्ताह भर की तैयारी से आएं हैं।

वाहनों पर चढ़ गए किसान

अनेक किसान पुलिस बस सहित अन्य वाहनों पर चढ़ गए। नारेबाजी की अनेक किसानों ने अपनी शर्ट निकाल दी। कुछ स्थानों पर पुलिस और किसानों के बीच धक्का मुक्की भी हो रही है। अनेक किसान हाथों में तिरंगा लिए हुए हैं।

वाहन भी लेकर आए हैं किसान

किसान मोर्चा में पैदल मार्च करते हुए भोपाल आए किसानों के साथ उनके लिए भोजन सामग्री साथ लेकर अनेक वाहन टैक्टर ट्राली भी लेकर पहुंचे हैं। प्रशासन लगातार किसानों को रोकने की कोशिश कर रहा है। लेकिन किसान नहीं मान रहे हैं। किसान नेताओं ने बताया कि इस आंदोलन में करीब 19 किसान संगठन शामिल हैं।

किसानों के हित में मध्यप्रदेश सरकार के निर्णय

प्रत्येक पात्र किसान से उसकी मूंग उपज का 60 प्रतिशत उपार्जन किया जायेगा

स्लॉट बुकिंग की अवधि भी 10 दिन बढ़ाने का निर्णय

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर किसानों के साथ चर्चा के लिये गठित मंत्री समूह की किसान प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई। किसानों के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि अब प्रत्येक पात्र किसान से उसकी मूंग उपज का 25 प्रतिशत नहीं, बल्कि 60 प्रतिशत उपार्जन किया जाएगा, जो नर्मदापुरम, सीहोर एवं हरदा जैसे जिलों में लगभग 3 क्विंटल प्रति एकड़ आता है। यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा और प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिले।किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्लॉट बुकिंग की अवधि भी 10 दिन बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब किसान 30 जुलाई के स्थान पर 10 अगस्त तक स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे। इसी प्रकार उपार्जन की अंतिम तिथि भी 10 अगस्त से बढ़ाकर 20 अगस्त की जा रही है। कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सदैव किसानों के हित में कार्य करती आई है।

लोकसभा से पास हुआ नया एंटी-पेपर लीक बिल, दोषियों को होगी इतने साल की सजा और 10 करोड़ तक जुर्माना

नई दिल्ली(ए.)। लोकसभा में बुधवार को पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक, 2026 ध्वनिमत से पारित हो गया। साथ ही,

विधेयक पर लंबी चर्चा के बाद सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं। अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने विपक्ष, विशेषकर लोकसभा में विपक्ष के नेता के रवैये पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इतने महत्वपूर्ण विधेयक पर सार्थक सुझाव देने के बजाय विपक्ष इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है।जितेंद्र सिंह ने कहा, सबसे पहले विपक्ष का आचरण बेहद निराशाजनक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाले इतने गंभीर और महत्वपूर्ण विधेयक पर रचनात्मक सुझाव देने के बजाय विपक्ष राजनीति कर रहा है। विपक्ष के नेता ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया, वह न केवल असंसदीय थी, बल्कि इतनी अनुचित थी कि मैं उसे दोहराना भी नहीं चाहूंगा। यदि कोई खुद को शिक्षित और संसदीय परंपराओं से परिचित मानता है, तो उसे पता होना चाहिए कि सदन के भीतर ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं किया जा सकता।

गुरुकुल परम्परा और नवीन तकनीक से गढ़ेंगे भविष्य का मध्यप्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एआई पर केंद्रित मिशन बुनियाद का किया शुभारंभ, प्रदेश के 500 शासकीय स्कूलों में चलेगा मिशन

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति इसकी गुरू परम्परा है। जब गुरूकुल के संस्कार आधुनिक विज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अतिरिक्त क्षमता से जुड़ेंगे, तब हमारी ऐसी पीढ़ी तैयार होगी, जो ज्ञान में श्रेष्ठ, चरित्र में उत्कृष्ट और राष्ट्र निर्माण के प्रति एकनिष्ठ होगी। यही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत की सबसे बड़ी नींव है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना आधुनिक शिक्षा और अत्याधुनिक कक्षाओं से ही पूरा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय हमारी पुरातन गुरूकुल शिक्षा पद्धति का नूतन एवं आधुनिक स्वरूप है। इन विद्यालयों के माध्यम से एक बेहतर कल की ओर बढ़ रहे हैं। इन विद्यालयों से हम अपने लाखों विद्यार्थियों का एक सुनहरा भविष्य गढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा, संस्कार, तकनीक और सांस्कृति चेतना के अद्भुत समन्वय का संदेश देकर कहा कि मध्यप्रदेश में विकसित हो रहे सांदीपनि विद्यालय भविष्य के भारत के निर्माण की आधारशिला सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को गुरू पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर उज्जैन के माधव विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित महर्षि सांदीपनि गुरू पर्व समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मौके पर उज्जैन जिले के लिए कुल 587.23 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न श्रेणी के 9 बड़े विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीते तीन वर्ष तक बोर्ड परीक्षाओं में लगातार शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले 6 प्राचार्यों को सांदीपनि अलंकरण से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्कूल शिक्षा विभाग में नव नियुक्त 7500 प्राथमिक शाला शिक्षकों में से 10 शिक्षकों को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर केंद्रित मिशन बुनियाद का शुभारंभ किया। यह मिशन प्रदेश के 8 जिलों के 500 शासकीय स्कूलों में चलाया जाएगा। इसमें कक्षा में 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को एआई से पर्सनली पढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सर्वांग एवं श्रीकृष्ण विद्यांजलि नामक दो पुस्तिकाओं का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेशनल मीन्स कम मेरिट में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का भी सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में भव्य गीता भवन बनाने का संकल्प लिया है। आज उज्जैन में गीता भवन का लोकार्पण नागरिकों के लिए कई प्रकार से सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यह शिक्षा विभाग का गीता भवन है। नगर निगम और उज्जैन विकास प्राधिकरण के भी अलग-अलग गीता भवन बनाए जाएंगे। सिंहस्थ: 2028 की तैयारियों के साथ ही इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन सिटी के विकास कार्य भी निरंतर जारी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी विभागों में नई भर्तियों की शुरुआत की है। विगत दो साल में पुलिस विभाग में 18 हजार से अधिक पदों पर भर्ती करने का निर्णय लिया है।

प्रदेश के पांच जिलों में आज अति भारी बारिश और 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में सक्रिय मानसूनी सिस्टम के चलते बुधवार को मौसम विभाग ने पांच जिलों में अति भारी बारिश और 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे के दौरान कई इलाकों में चार इंच या उससे अधिक बारिश होने की संभावना जताई गई है।मौसम विभाग के अनुसार, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम और रायसेन में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है। वहीं देवास, सीहोर, हरदा, बैतूल, पांढुर्णा, सागर, नरसिंहपुर, दमोह, जबलपुर और छतरपुर जिलों में भारी बारिश की संभावना है। विभाग के मुताबिक प्रदेश के ऊपर से मानसून ट्रफ गुजर रही है। इसके साथ ही एक चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) और पश्चिमी हिस्से में सक्रिय एक अन्य चक्रवाती तंत्र के कारण मजबूत बारिश का सिस्टम बना हुआ है।

गुरु ही जीवन के सच्चे मार्गदर्शक, कलेक्टर ने विद्यार्थियों को संस्कार और अनुशासन का पाठ पढ़ाया

गुरु पूर्णिमा पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा पहुंचे एसपीएम प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला, बच्चों से किया आत्मीय संवाद

नर्मदापुरम (निप्र)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने एसपीएम प्राथमिक शाला पहुंचकर विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं का निरीक्षण किया तथा बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रोजेक्ट ज्ञान अर्पण के अंतर्गत शीघ्र ही विद्यालय के सभी बच्चों के लिए बेंच एवं डेस्क की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उन्हें बेहतर वातावरण में अध्ययन करने का अवसर मिल सके। इस अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि जीवन में गुरुओं का सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरुजनों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहने और उनका सम्मान करने का आह्वान किया। कलेक्टर ने गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णुः गुरुर देवो महेश्वरः, गुरु साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः श्लोक का अर्थ समझाते हुए कहा कि गुरु ही जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने गुरुओं की आज्ञा का पालन करने, उनके आदर्शों को अपनाने तथा अनुशासन, संस्कार और ज्ञान के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विद्यालय की साइंस लैब का अवलोकन किया और विद्यार्थियों को वहां उपलब्ध वैज्ञानिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर प्रयोगात्मक शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक एवं प्रयोगात्मक शिक्षा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सांसद श्रीमती माया नारोलिया के माध्यम से जरूरतमंद महिला को उपलब्ध कराई गई सिलाई मशीन

कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं सांसद प्रतिनिधि विकास नारोलिया ने की भेंट

नर्मदापुरम (निप्र)। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने नारायण नगर निवासी श्रीमती सुनीता कहार को स्वरोजगार एवं आजीविका के लिए सिलाई मशीन प्रदान की। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व सुनीता कहार ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में सांसद श्रीमती माया नारोलिया से भेंट कर रोजगार का कोई साधन नहीं होने की जानकारी देते हुए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए सहायता का आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदिका की परिस्थितियों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से सिलाई मशीन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। वर्तमान में संसद सत्र के चलते सांसद की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि विकास नारोलिया ने कलेक्टर सोमेश मिश्रा की उपस्थिति में सुनीता कहार को सिलाई मशीन भेंट की।

गुरुपूर्णिमा पर विशाल भंडारा हुआ, चातुर्मास में जारी रहेगा रामचरित मानस का अखंड पाठ

संत स्वामी ब्रम्हलीन ब्रम्हानंद उदासीन ने शुरू कराई है परंपरा

नर्मदापुरम (निप्र)। गुरूपूर्णिमा के पावन अवसर पर बीते देड़ दशक से की परंपरा के तहत इस वर्ष भी मां नर्मदा के दक्षिण तट के ग्राम खरखेड़ी टिगरिया में चातुर्मास में श्रीराम चरित्र मानस के अखंड पाठ का शुभारंभ हो गया है। मां नर्मदा के अनन्य भक्त व समाजसेवी ब्रम्हलीन. संत स्वामी श्रीब्रम्हानंद उदासीन महाराज की सद्प्रेरणा और मार्गदर्शन में यह धार्मिक अनुष्ठान हर वर्ष निरंतर हो रहा है। अनेक वर्षों तक संतश्री के सानिध्य में ही पूरी गरिमा व भव्यता के साथ यह धार्मिक आयोजन होता रहा है। स्वामीजी सशरीर नहीं है उनके मार्गदर्शन, आशीर्वाद व उनके द्वारा बनाई गई परंपरा के तहत ही गांव के सेवाभावी श्रद्धालुओं के द्वारा यह अनुष्ठान किया जा रहा है। आषाढ़ माह की पूर्णिमा के अवसर पर नर्मदा तट पर विशाल भंडारे का आयोजन के साथ ही अखंड रामचरित मानस का अखंड पाठ का शुभारंभ होता है। जिसमें क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु तन-मन-धन से सहयोग करते हैं। हर वर्ष चार माह तक रामचरित मानस के अखंड पाठ होते रहे हैं। उसके बाद 108 सुंदर कांड के पाठ होते हैं। तदोपरांत श्रीराम चरित मानस यज्ञ, व श्रीराम कथा का आयोजन होता है। इस कार्यक्रम में पूरा गांव व आसपास तथा दूरदराज क्षेत्रों के श्रद्धालु भी सहयोगी बनते हैं। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि नर्मदा तट के पटेघाट पर होने वाले धार्मिक अनुष्ठान में पूरे क्षेत्र के दर्जनों गांवों के हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। प्रतिदिन के पाठ के लिए एडवांस बुकिंग की जाती है। जिसमें कई लोग पहले से ही अपने नाम का पाठ तय कर देते हैं। इसके लिए जो श्रद्धानिधि तय होती है उससे घी का दीपक 24 घंटे जलता है। अगरबत्ती व प्रसाद आदि का खर्च जुड़ा रहता है। जो श्रद्धालु सहर्ष स्वीकार करते हुए जमा करते हैं। भंडारे में भी सहयोगी बनते हैं।

घाट का है आकर्षक नजारा

नर्मदा तट के पटे घाट पर पांच मंदिर, धर्मशाला, मंदिरों के सामने शेड व व्यास पीठ के अलावा मां नर्मदा का विंहगम दृश्य सभी को आकर्षित करता है। जो एक बार यहां आते हैं उनकी इच्छा बार-बार आने की होती है। नर्मदा परिक्रमावासियों का आगमन यहां पर होता है। स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

मध्यप्रदेश में बाघों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा है

नई गणना में बाघों की संख्या 1000 से अधिक होने का अनुमान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति और सभी वन्यजीवों के प्रति उदारता की भाव समाहित है। हमारे देवी-देवताओं के वाहन भी अलग-अलग जीवों से जुड़ते हैं। जंगल का राजा बाघ शक्ति की देवी मां दुर्गा का वाहन है। प्रदेश में बाघ, चीता, घड़ियाल, हाथी और जंगली भैंसे सहित अन्य वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है और मध्यप्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल है। प्रदेश में 53 साल पहले बाघों की संख्या दहाई के आंकड़े में सिमटी हुई थी। वर्ष 2016 में बाघों की संख्या लगभग 250 हो गई। वर्ष 2022 की गणना में प्रदेश में 785 बाघ हो गए। अगले साल नई गणना में बाघों की संख्या 1000 से अधिक होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में समृद्ध जैव विरासत का स्वर्णिम और सुगम काल निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में संबोधित कर रहे थे।

कान्हा क्षेत्र की घास प्रजातियों पर केन्द्रित पुस्तक का हुआ विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण गतिविधियों पर केंद्रित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्यजीव संरक्षण के लिये प्राप्त वाहनों का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बाघ संरक्षण पर केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय प्रकाशनों के अंतर्गत सतपुड़ा की तितलियों पर केन्द्रित पुस्तक फ्लटरिंग ज्वेल्स ऑफ सतपुड़ा, कान्हा क्षेत्र की घास प्रजातियों पर केन्द्रित पुस्तक, पिक्टोरियल हरबेरियम ऑफ कान्हा ग्रासेस, वन्यजीवन रेस्क्यू संकलन, बेस्ट प्रैक्टिसेस ऑफ वाईल्ड लाईफ कन्जर्वेशन इन मध्यप्रदेश और बॉयोडायवर्सिटी ऑफ वाईल्ड मशरूम्स इन पेंच टाइगर रिजर्व आदि का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रातापानी टाइगर रिजर्व और वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के लोगो का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक जन-एक पत्ती अभियान में की भागीदारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बारहसिंघा को पुनः बसाने पर केन्द्रित वृत्त चित्र और कान्हा टाइगर रिजर्व में टाइगर रिवाइल्डिंग पर केन्द्रित वृत्त चित्रों के टीजर रिलीज किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य वन्य प्राणी बोर्ड के पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित सदस्यों डॉ. नारायण व्यास और मोहन नागर का अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली वन सुरक्षा समितियों, ईको विकास समिति, ग्राम वन समिति और वन कर्मियों को पुरस्कार भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व द्वारा जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए आरंभ किए गए एक जन-एक पत्ती - जनभागीदारी, संरक्षण की शक्ति अभियान में भाग लिया। इसके अंतर्गत उन्होंने पत्ती के आकार की छोटी-कच्ची सिरेमिक टाइल पर बाघ का चेहरा उकेरा। इस प्रकार की टाइल को पकाकर विभिन्न रंगों में विकसित किया जाता है। इन्हीं टाइलों से वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के हिनोती पर्यटन द्वार को सजाया जाएगा। यह गतिविधि जनभागीदारी से वन और वन्य जीवन संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बनेगी।

"नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" अभियान को मिली वैश्विक पहचान

बड़वानी पुलिस की अभिनव पहल वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज

भोपाल(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व तथा पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेशमें संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान जनभागीदारी के माध्यम से एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से संचालित इस अभियान को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिल रही है।

अभियान के अंतर्गत बड़वानी एवं बुरहानपुर जिलों में विद्यार्थियों की अभूतपूर्व सहभागिता ने न केवल जन-जागरूकता का नया आयाम स्थापित किया है, बल्कि प्रदेश को वैश्विक स्तर पर गौरवान्वित भी किया है।बड़वानी पुलिसद्वारा जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में नशामुक्ति विषय पर चित्रकला एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा 16हजार 700 ड्राइंग शीट्सपर तैयार किए गए चित्रों एवं स्लोगनों के माध्यम से समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। इस अभिनव पहल कोवर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदनद्वारा मान्यता प्रदान करते हुए बड़वानी पुलिस का नाम रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। बावनगजामें आयोजित समारोह में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम ने पुलिस अधीक्षकश्री पद्मविलोचन शुक्लको मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसी क्रम मेंबुरहानपुर पुलिसद्वाराजिले के 113 विद्यालयों के 32 हजार से अधिक विद्यार्थियोंने एक साथ अपने हाथों से नशामुक्ति संबंधी संदेश लिखकर हस्ताक्षर किए तथा नशे से दूर रहने एवं समाज को जागरूक करने का संकल्प लिया। इस ऐतिहासिक जनभागीदारी कोवर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदनमें विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज कराने हेतु आवश्यक दस्तावेज, फोटोग्राफ, वीडियो एवं अन्य प्रमाण सत्यापन के लिए प्रेषित किए गए हैं। दोनों जिलों में आयोजित गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियोंने नशे के विरुद्ध अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति और संकल्प के जरिए समाज को सकारात्मक संदेश दिया। यह सहभागिता दर्शाती है कि नशामुक्ति का अभियान केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक चेतना, जनसहभागिता और युवाओं की सक्रिय भूमिका पर आधारित जनआंदोलन बन चुका है।

एमपी में पदोन्नति नियमों पर बढ़ा विवादः गृह विभाग के अधिकारियों ने उठाए सवाल; कोर्ट जाने की चेतावनी, नियमों के गलत व्याख्या के आरोप

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में करीब दस साल बाद शुरू हुई पदोन्नति प्रक्रिया अब विवादों में घिरती जा रही है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के नियमों की अनदेखी और उनकी मनमानी व्याख्या करने के आरोप लग रहे हैं। कमर्शियल टैक्स विभाग के बाद अब गृह विभाग के अधिकारियों ने भी पदोन्नति नियम-2025 के प्रावधानों का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए गृह विभाग की सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की है। अधिकारियों का कहना है कि नियमों के अनुरूप पदोन्नति नहीं होने से सामान्य वर्ग और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के हजारों कर्मचारी एवं अधिकारी पदोन्नति से वंचित रह गए हैं। प्रदेश में सबसे अधिक पदोन्नति पुलिस विभाग में हुई है। सरकार के अनुसार पुलिस महकमे में करीब 25 हजार पदोन्नतियां की गई हैं, जिसकी मुख्यमंत्री भी सार्वजनिक रूप से सराहना कर चुके हैं। हालांकि अब पदोन्नति से वंचित अधिकारी इस प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने नियमों का पालन नहीं किया और अब गलती स्वीकार करने के बावजूद सुधारात्मक कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। प्रभावित अधिकारी मामले को लेकर न्यायालय जाने की तैयारी में हैं।

2025 की चयन सूची की जगह बाद की सीआर पर किया गया विचार

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 की कंडिका-6 के अनुसार यदि किसी चयन वर्ष की विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक समय पर नहीं हो पाती है, तो अगली बैठक में सबसे पहले उस लंबित चयन वर्ष की अलग चयन सूची तैयार की जानी चाहिए। इसके बाद वर्तमान और आगामी रिक्तियों के लिए नई चयन सूची बनाई जानी चाहिए।

आरोप है कि अधिकांश विभागों ने इस प्रावधान का पालन नहीं किया और वर्ष 2025 की रिक्तियों के लिए निर्धारित प्रक्रिया की बजाय बाद के वर्षों के आधार पर पदोन्नति आदेश जारी कर दिए।

भोपाल में देसी घी के नाम पर बड़ा खेल, 10 क्विंटल घी जब्त, बिना लाइसेंस चल रहा था कारोबार

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के करोंद क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक प्रतिष्ठान से 938 किलोग्राम (करीब 10 क्विंटल) देसी घी जब्त किया। घी की अनुमानित कीमत 5.50 लाख है। प्रारंभिक जांच में मिलावट की आशंका मिलने पर पूरा स्टॉक जब्त

कर लिया गया। जांच के दौरान प्रतिष्ठान बिना खाद्य लाइसेंस संचालित मिलता पाया गया।राजधानी में मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने मंगलवार को करोंद स्थित एक प्रतिष्ठान पर बड़ी छापामार कार्रवाई करते हुए करीब 10 क्विंटल (938 किलोग्राम) देसी घी जब्त किया। जब्त घी की अनुमानित कीमत 5.50 लाख बताई गई है। प्रारंभिक जांच में घी की गुणवत्ता पर संदेह जताया गया है, जबकि प्रतिष्ठान बिना आवश्यक खाद्य लाइसेंस के संचालित होता मिला। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने करोंद के पंचवटी कॉलोनी स्थित प्रतिष्ठान पर छापा मारकर विभिन्न कंपनियों के 15 किलो, 5 किलो, 1 किलो, 500 ग्राम और 200 ग्राम पैक वाले देसी घी का बड़ा स्टॉक बरामद किया। संदेह के आधार पर पूरे स्टॉक को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत जब्त कर लिया गया।

देवास से रेस्क्यू किए गए बाघ युवराज की हालत में सुधार, वन विहार में चल रहा उपचार

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के देवास जिले की ख्योनी वन्यजीव अभयारण्य से गंभीर रूप से घायल अवस्था में रेस्क्यू किए गए वयस्क बाघ युवराज की सेहत में अब धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। भोपाल स्थित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में उसे सघन चिकित्सकीय निगरानी में रखकर उपचार किया जा रहा है। वन विहार प्रबंधन के अनुसार, युवराज का जन्म ख्योनी अभयारण्य में हुआ था। लगभग दो वर्ष की आयु से वह अभयारण्य के पर्यटन क्षेत्र का प्रमुख आकर्षण रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़ाने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वह बाघिन राधा और मीरा के साथ अपना क्षेत्र साझा करता था।जानकारी के अनुसार, जून के तीसरे सप्ताह में एक युवा बाघ के युवराज के क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद दोनों के बीच क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर संघर्ष हुआ।

इस दौरान हुई भिड़ंत में युवराज गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई और वह चलने-फिरने में भी असमर्थ हो गया। हालात को देखते हुए वन विभाग ने उसका रेस्क्यू कर भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान पहुंचाया।वन विहार लाए जाने के छह दिन बाद विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों ने उसे बेहोश कर विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया। एक्स-रे और चिकित्सकीय जांच में उसके दोनों अगले पैरों की हड्डियों में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। इसके अलावा दोनों अगले पैरों तथा बाएं पिछले पैर पर गहरे घाव मिले। बाएं पिछले पैर के गंभीर घाव पर छह टांके लगाए गए। वन विहार की सहायक संचालक के मुताबिक रेस्क्यू के बाद से ही बाघ की लगातार निगरानी की जा रही है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम नियमित उपचार कर रही है और उसकी स्वास्थ्य स्थिति में अब धीरे-धीरे सुधार के संकेत मिल रहे हैं।

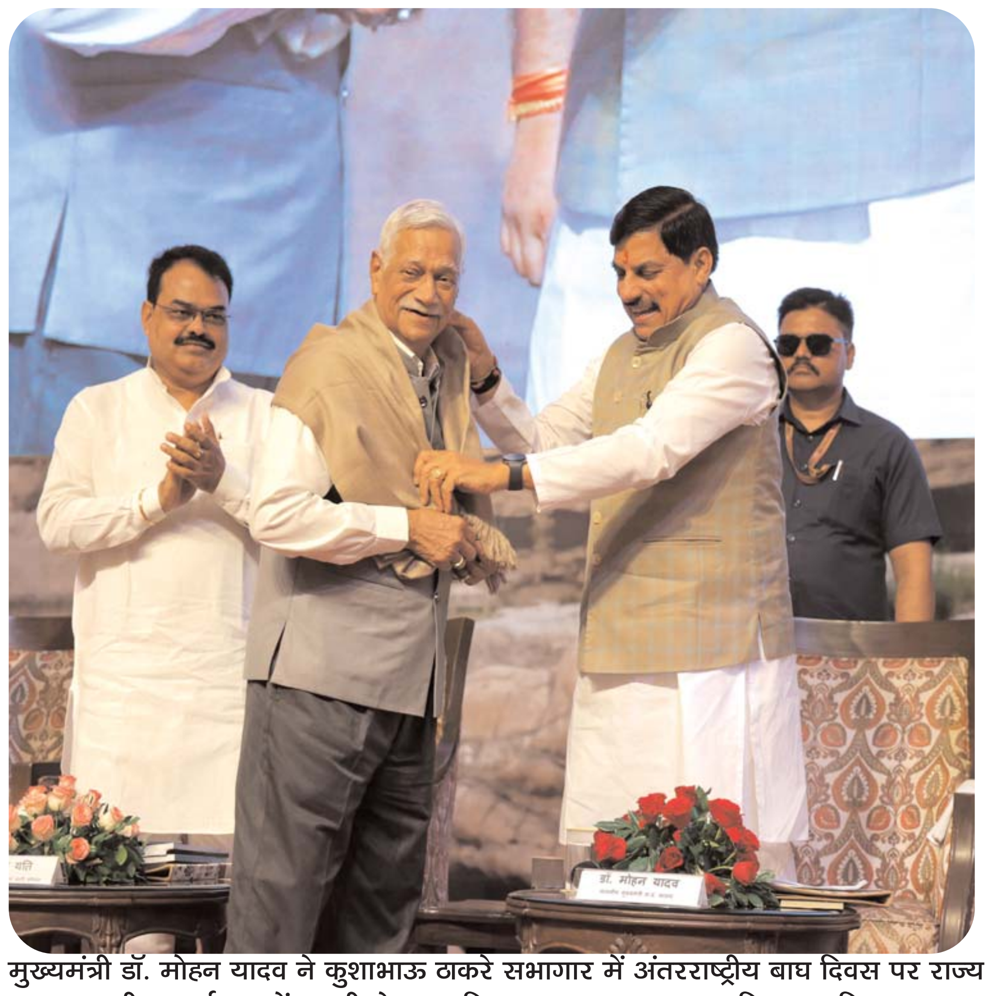

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित नारायण व्यास का अभिनन्दन किया।

भोपाल में अवैध व्यावसायिक निर्माण पर बढ़ा विवाद, कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल की आवासीय कॉलोनियों में कथित अवैध व्यावसायिक निर्माण और गतिविधियों को लेकर विवाद तेज हो गया है। अरेरा कॉलोनी के रहवासियों के साथ अब

शहर की अन्य कॉलोनियों के रहवासी संगठन भी इस मुद्दे पर खुलकर सामने आ गए हैं। रहवासी संगठनों ने आरोप लगाया है कि न्यायालय के निर्देशों के बावजूद अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका कहना है कि यदि स्थिति नहीं बदली तो सर्वोच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की जाएगी। अरेरा कॉलोनी में आयोजित बैठक में गौतम नगर, रचना नगर, शाहपुरा, त्रिलंगा और गुलमोहर कॉलोनी समेत कई क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में आवासीय क्षेत्रों में बढ़ रही व्यावसायिक गतिविधियों पर चिंता जताते हुए इसे पूरे शहर की नियोजित आवासीय व्यवस्था के लिए चुनौती बताया गया।

नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

याचिकाकर्ता पूर्णेंदु शुक्ला ने आरोप लगाया कि अनेक शिकायतों, जनसुनवाई और न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अवैध निर्माणों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उनका कहना था कि इससे नियमों का उल्लंघन करने वालों के हौसले बढ़ रहे हैं। रहवासी विवेक त्रिपाठी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आवासीय भूमि पर हुए अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

उच्च शिक्षा में प्रवेश का अंतिम अवसर, 31 जुलाई अंतिम तिथि

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। प्रदेश के शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए 31 जुलाई 2026 अंतिम तिथि निर्धारित है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश तिथि बढ़ाए जाने की कोई संभावना नहीं है, इसलिए जिन विद्यार्थियों ने अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी प्रवेश प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लें।जनसंपर्क अधिकारी राजेश दाहिमा ने बुधवार को बताया कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का उत्साह निरंतर बना हुआ है। अब तक विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में लगभग 5 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त कर लिया है। इनमें कला संकाय विद्यार्थियों की पहली पसंद बना हुआ है, जहाँ 2,26,090 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। विज्ञान संकाय में 1,32,127, वाणिज्य संकाय में 64,704, विधि संकाय में 21,130 तथा एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 46,566 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया है।

नैतिक मूल्यों, विश्वसनीयता और जनसेवा की भावना ही उत्कृष्ट पुलिस नेतृत्व की पहचान - डीजीपी कैलाश मकवाणा

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी के 21 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों ने डीजीपी से की सौजन्य भेंट

भोपाल (ए.)। पुलिस मुख्यालय भोपाल में आज पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद से मध्यप्रदेश भ्रमण पर आए 21 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों ने सौजन्य भेंट की।भारत दर्शन के अंतर्गत मध्यप्रदेश पहुंचे इस दल में भारतीय पुलिस सेवा के 19 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ दो विदेशी पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। दल में उत्तरप्रदेश, बिहार, नागालैंड, केरल, पश्चिम बंगाल, मेघालय, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं तमिलनाडु सहित विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी तथा मॉरीशस एवं नेपाल के पुलिस अधिकारी सम्मिलित हैं।पुलिस महानिदेशक श्री मकवाणा ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों का मध्यप्रदेश में स्वागत करते हुए उन्हें भारतीय पुलिस सेवा में चयन के लिए बधाई दी तथा उनके परिवारजनों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रति आजीवन उत्तरदायित्व है। यदि अधिकारी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे तो उन्हें अपने सेवाकाल में सबसे अधिक संतुष्टि जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने से मिलेगी। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि वर्तमान समय में पुलिसिंग तेजी से तकनीक आधारित हो रही है, लेकिन इसके साथ-साथ मूलभूत पुलिसिंग के सिद्धांतों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। आधुनिक तकनीक और पारंपरिक पुलिसिंग—दोनों का संतुलित एवं सर्वोत्तम उपयोग ही प्रभावी कानून व्यवस्था की कुंजी है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी को कानून एवं नियमों के अनुरूप निष्पक्ष निर्णय लेने चाहिए तथा जनता की शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि एक अधिकारी की पहचान उसकी नैतिकता, सत्यनिष्ठा और विश्वसनीयता से होती है। उच्च नैतिक मूल्यों को आत्मसात करना प्रत्येक पुलिस अधिकारी का पहला दायित्व है।

व्यक्ति की अच्छी छवि बनने में वर्षों लग जाते हैं, लेकिन एक गलत निर्णय या आचरण उसे क्षणभर में धूमिल कर सकता है। इसलिए सेवा के प्रत्येक चरण में ईमानदारी, अनुशासन और मर्यादित आचरण बनाए रखना आवश्यक है। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि पुलिस सेवा में चुनौतियां निरंतर बढ़ती रहेंगी, लेकिन प्रत्येक परिस्थिति का सामना धैर्य, विवेक और सकारात्मक दृष्टिकोण से करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधीनस्थों को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत करें तथा अनुशासनहीनता अथवा गलत कार्यों पर निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करें। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि नेतृत्व का सबसे महत्वपूर्ण गुण विश्वास अर्जित करना है। जब जनता और अधीनस्थ आपके निर्णयों एवं व्यक्तित्व पर भरोसा करेंगे, तभी आपका नेतृत्व प्रभावी सिद्ध होगा। डीजीपी श्री मकवाणा ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रत्येक पदस्थापना सीखने का अवसर होती है। कठिन परिस्थितियों में भी यदि अधिकारी अपने शत-प्रतिशत प्रयास, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें तो वे समाज में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) रवि कुमार गुप्ता ने प्रशिक्षु अधिकारियों का स्वागत करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस की समृद्ध परंपराओं, पेशेवर कार्यशैली एवं प्रशिक्षण व्यवस्था का विस्तृत परिचय दिया। उन्होंने मध्यप्रदेश की भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक विशेषताओं की जानकारी देते हुए प्रदेश में दस्यु उन्मूलन तथा नक्सल समस्या के प्रभावी नियंत्रण की सफलता का उल्लेख किया।

तकनीकी सुधार, बेहतर रखरखाव और आधुनिक सुरक्षा उपायों से रेल यात्रा हुई अधिक सुरक्षित

2026-27 में जून तक केवल 2 ट्रेन दुर्घटनाएं; 2014-15 की तुलना में दुर्घटनाओं में लगभग 88% कमी

जबलपुर (ए.)। केंद्रीय रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आज लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, भारतीय रेल में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार तकनीकी सुधार, आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों और बेहतर रखरखाव पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2014-15 में 135 ट्रेन दुर्घटनाएं हुई थीं, जो वर्ष 2025-26 में घटकर 16 रह गईं। इस प्रकार दुर्घटनाओं में लगभग 88 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। वहीं, वर्ष 2026-27 में जून 2026 तक केवल 2 ट्रेन दुर्घटनाएं दर्ज हुई हैं। सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का एक महत्वपूर्ण सूचकांक परिणामी दुर्घटना सूचकांक भी है, जो वर्ष 2014-15 के 0.11 से घटकर वर्ष 2025-26 में 0.01 रह गया, अर्थात इसमें लगभग 91 प्रतिशत की कमी हुई है। रेल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बजट में लगातार वृद्धि की गई है। सुरक्षा संबंधी गतिविधियों पर वर्ष 2013-14 में 39,200 करोड़ के मुकाबले वर्ष 2026-27 में 1,20,389 करोड़ का प्रावधान किया गया है। मानवीय त्रुटियों को कम करने के लिए आधुनिक सिग्नलिंग और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग व्यवस्था को व्यापक रूप से लागू किया गया है। 30 जून 2026 तक 6,671 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और ट्रैक सर्किटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। वहीं 10,395 लेवल क्रॉसिंग गेटों पर इंटरलॉकिंग की व्यवस्था की गई है। रेल पटरियों की नियमित जांच, आधुनिक मशीनों से रखरखाव तथा अल्ट्रासोनिक जांच जैसी तकनीकों के माध्यम से ट्रैक की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। बेहतर रखरखाव के परिणामस्वरूप वर्ष 2013-14 की तुलना में वर्ष 2025-26 में वेल्ड विफलताओं में 93 प्रतिशत तथा रेल पटरी में दरारों में 92 प्रतिशत की कमी आई है। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुराने आईसीएफ कोचों के स्थान पर आधुनिक एलएचबी कोचों को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही, रेलवे पुलों का नियमित निरीक्षण एवं आवश्यकतानुसार मरम्मत/पुनर्वास किया जाता है। आग से सुरक्षा के लिए कोचों में अग्नि संबंधी जागरूकता संदेश प्रदर्शित किए जाते हैं। नए पावर एवं पैंट्री कारों में आग की पहचान और उसे नियंत्रित करने वाली आधुनिक प्रणालियां लगाई जा रही हैं तथा मौजूदा कोचों में भी यह व्यवस्था चरणबद्ध रूप से की जा रही है।

इंदौरः कांवड़ यात्रियों के लिए बनाए विशेष पड़ाव स्थल, भोजन, चाय-नाश्ता सहित सभी आवश्यक इंतजाम

इंदौर, (ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और सुगम आवागमन के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं। शहर के खंडवा रोड स्थित बाईग्राम में कांवड़ यात्रियों के लिए विशेष पड़ाव स्थल विकसित किया जा रहा है, जहां उनके ठहरने, चाय-नाश्ता, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसी तरह की व्यवस्था इंदौर जिले के उज्जैन रोड़ के सांवेर के ग्राम राजोदा में भी की जा रही है। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने बुधवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ प्रस्तावित पड़ाव स्थल बाईग्राम का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की कमी न रहे और कांवड़ यात्रियों को पूरी यात्रा के दौरान किसी भी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर एसडीएम राकेश परमार तथा तहसीलदार विवेक सोनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

इंदौर में 100 साल पुराने जर्जर मकान पर चला बुलडोजर, महीनेभर पहले नोटिस के बाद नगर निगम की कार्रवाई

इंदौर,(ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर में बारिश के मौसम में संभावित हादसे को रोकने के लिए नगर निगम ने बुधवार को मल्हारगंज क्षेत्र में 100 वर्ष से अधिक पुराने जर्जर भवन को ध्वस्त कर दिया। नगर निगम ने भवन मालिक को करीब एक माह पहले नोटिस जारी कर मकान हटाने के निर्देश दिए थे। निर्धारित समय में कार्रवाई पूरी नहीं होने पर निगम की रिमूवल टीम ने जेसीबी की मदद से भवन को गिरा दिया।नगर निगम अधिकारियों के अनुसार एमजी रोड स्थित एक जूस सेंटर के पास मकान क्रमांक-209 लंबे समय से जर्जर अवस्था में था। भवन की दीवारों और ढांचे की हालत इतनी खराब हो चुकी थी कि लगातार हो रही बारिश के बीच इसके कभी भी गिरने की आशंका बनी हुई थी। मकान के ठीक सामने व्यस्त सड़क होने के कारण रोजाना हजारों वाहन और पैदल राहगीरों की आवाजाही रहती है। ऐसे में किसी बड़े हादसे से बचने के लिए निगम ने तत्काल कार्रवाई का निर्णय लिया। जोन-20 के बिल्डिंग ऑफिसर प्रभात तिवारी ने बताया कि भवन मालिक को एक महीने पहले नोटिस देकर स्वयं मकान हटाने के निर्देश दिए गए थे। नोटिस मिलने के बाद मालिक ने भवन तोड़ने का काम शुरू भी कराया, लेकिन बीच में काम बंद कर दिया और तय समय सीमा में मकान नहीं हटाया। इसके बाद निगम ने सुरक्षा की दृष्टि से स्वयं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। कार्रवाई से पहले भवन के नीचे संचालित तीनों दुकानों को खाली करा लिया गया था। किराएदारों ने मंगलवार रात ही अपना सामान निकाल लिया था, जिससे ध्वस्तीकरण के दौरान किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ। बुधवार सुबह निगम की टीम भारी मशीनरी के साथ मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से पूरे भवन को ध्वस्त कर दिया। ध्वस्तीकरण के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर भवन के दोनों ओर यातायात अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

दो सड़क हादसे में दो शिक्षक सहित तीन घायल

राजगढ़, (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में बुधवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।पहला हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर जालपा माता मंदिर के समीप हुआ,जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक बाइक को टक्कर मार दी। वहीं दूसरा हादसा खुजनेर रोड स्थित चाटूखेड़ा जोड़ के पास हुआ,जहां तेज रफ्तार दुग्ध वाहन की टक्कर से स्कूल से लौट रहे दो शिक्षक घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है।कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार दोपहर में एनएच-52 पर जालपा माता मंदिर के पास तेज गति से गुजर रहे अज्ञात वाहन ने बाइक सवार अशोक (35) पुत्र नारायण वर्मा निवासी सेमली कांकड़ को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद राहगीरों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घायल को जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।इधर, खुजनेर रोड स्थित चाटूखेड़ा जोड़ के समीप सामने से आ रहे तेज रफ्तार दुग्ध वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार ओमप्रकाष (33)पुत्र श्रीनाथ वर्मा निवासी रनावा थाना छापीहेड़ा और सियाराम (30) पुत्र नारायणसिंह वर्मा निवासी कल्पोनी थाना खुजनेर गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों के पैरों में गंभीर चोटें आने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार दोनों घायल बांइहेड़ा स्कूल में शिक्षक हैं और विद्यालय से अपने गांव लौट रहे थे,तभी हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरु पूर्णिमा पर भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, सावन मास की तैयारियां पूर्ण

मंदसौर,(ए.)। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को विश्व प्रसिद्ध भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। जिले सहित दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और गुरु परंपरा का स्मरण किया। इस दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान और गुरु पूजन के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर चैतन्य आश्रम, मैनपुरिया के पीठाधीश्वर स्वामी मणि महेश जी महाराज ने बताया कि भगवान पशुपतिनाथ मंदिर की स्थापना परम पूज्य स्वामी प्रत्यक्षानंद जी महाराज ने की थी। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर गुरु पूजन किया गया। चैतन्य आश्रम में भी दिनभर गुरु वंदना, पूजा-अर्चना एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए।इधर, गुरुवार से प्रारंभ हो रहे सावन मास और पहले सावन सोमवार को देखते हुए पशुपतिनाथ मंदिर प्रबंध समिति ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। समिति के अनुसार सावन में श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए दर्शन व्यवस्था के लिए बैरिकेडिंग, कतार प्रबंधन, पेयजल तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल भी तैनात रहेगा।

ग्वालियर जिले में भी विद्युत सुरक्षा निरीक्षकालय का कार्यालय खुलेगा

ग्वालियर(ए.)। ग्वालियर जिले में विद्युत सुरक्षा निरीक्षकालय का नवीन वृत्त कार्यालय प्रारंभ करने का अनुमोदन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट में प्रदान किया गया है। अभी यह कार्यालय मध्यप्रदेश में इंदौर, उज्जैन, रीवा में संचालित हैं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि अब यह कार्यालय ग्वालियर में शुरू होने पर विभाग के कार्यों के लिए आम जनता को भोपाल नहीं आना पड़ेगा। इससे लोगों के समय व धन की बचत होगी। अब इससे संबंधित सभी कार्य ग्वालियर में सुगमता से संपादित होंगे। साथ ही विद्युत सुरक्षा पर सतत निगरानी होने से विद्युत दुर्घटनाओं में कमी आयेगी। यह कार्यालय ग्वालियर, चम्बल संभाग के अंतर्गत आने वाले 8 जिलों की जनता को कार्य में सुविधा प्रदान करेगा। ग्वालियर में विद्युत सुरक्षा निरीक्षकालय का वृत्त कार्यालय के लिये अधीक्षण यंत्री विद्युत सुरक्षा सहित कुल 9 नवीन पदों का सृजन किया गया है।

ग्राम पंचायत सावलमेंढा में कलेक्टर ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बैतूल (ए.)। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने बुधवार को भैंसदेही विकासखंड की ग्राम पंचायत सावलमेंढा पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ग्रामीणों ने गांव में सड़क एवं नाली निर्माण, पेंशन तथा ई-केवाईसी से जुड़ी समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत में टैक्स वसूली में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं नालियों पर अतिक्रमण की शिकायत मिलने पर तहसीलदार को मौके का निरीक्षण कर अतिक्रमण चिन्हित करने तथा नियमानुसार कार्रवाई कर उसे हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लंबित पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने तथा ई-केवाईसी में आ रही समस्याओं का समाधान कर प्रक्रिया को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

व्यापार समाचार

फिर भड़की महंगाई की आग, पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े

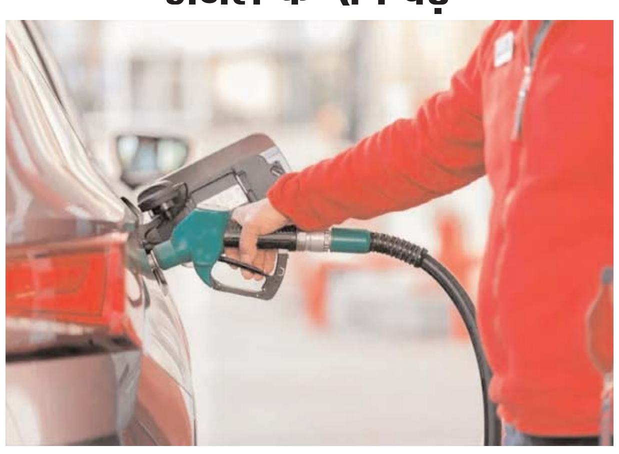

इस्लामाबाद (ए.)। मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) में बढ़ते तनाव का असर पाकिस्तान के आम नागरिकों की जेब पर एक बार फिर देखने को मिल रहा है। पाकिस्तान सरकार ने देश में पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल (HSD) की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की नई बढ़ी हुई दरें बुधवार, 29 जुलाई से देशभर में प्रभावी रूप से लागू कर दी गई हैं।

पेट्रोल और डीजल की नई दरें तय, भारी टैक्स वसूल रही सरकार

कीमतों में हुए इस ताजा इजाफे के बाद पेट्रोल की कीमत में 1.63 प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत में 1.55 प्रति लीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस बदलाव के साथ ही पाकिस्तान में पेट्रोल की खुदरा कीमत बढ़कर 335.81 प्रति लीटर हो गई है, जबकि HSD की कीमत 388.38 प्रति लीटर पर पहुंच गई है। इस भारी महंगाई के बावजूद पाकिस्तान सरकार पेट्रोल पर 110 प्रति लीटर और डीजल पर 96 प्रति लीटर का भारी टैक्स और लेवी ड्यूटी लगातार वसूलती रहेगी।

अब 3 घंटे कम हो जाएगा सफर, भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार 115 KM/H की स्पीड से दौड़ेंगी ट्रेनें

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय रेल के यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। भारतीय रेलवे के इतिहास में पहली बार ट्रेनों की औसत गति 115 किलोमीटर प्रतिघंटा होने जा रही है। सबसे खास बात यह है कि रेलवे अपने मौजूदा बुनियादी ढांचे में कोई अतिरिक्त खर्च किए बिना इस ऐतिहासिक लक्ष्य को हासिल करने जा रहा है। इस बड़े बदलाव से यात्रियों के सफर का समय कम से कम तीन घंटे घट जाएगा, जिससे लंबी दूरी की यात्रा अब और भी आसान व तेज हो जाएगी। इसके साथ ही सिग्नलिंग के ऑटोमेशन से मानवीय चूक के कारण होने वाले रेल हादसों में भी 85 से 90 फीसदी तक की कमी आएगी।

रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार रेलवे में एक बड़ा तकनीकी और प्रशासनिक बदलाव किया जा रहा है। अब पारंपरिक सिग्नलिंग व्यवस्था को समाप्त करके अत्याधुनिक सेंट्रलाइज्ड ट्रैफिक कंट्रोल यानी सीटीसी सिस्टम को लागू किया जाएगा। इस नई व्यवस्था के तहत करीब 300 रेलवे स्टेशनों का नियंत्रण स्थानीय स्टेशन मास्टरों के हाथ से निकलकर सीधे सीटीसी के पास चला जाएगा। इसकी शुरुआत दिल्ली-मुंबई (1,386 किमी) और दिल्ली-कोलकाता (1,445 किमी) मार्ग से की जा रही है। नई तकनीक की मदद से सीटीसी केंद्र से 500 किलोमीटर से अधिक दूरी तक की ट्रेनों का सुरक्षित और सटीक परिचालन किया जा सकेगा, जिससे मौजूदा पटरियों पर ही 40 फीसदी अधिक ट्रेनें चलाने की क्षमता विकसित होगी।

नितिन गडकरी की सफाई, E-20 के लिए कुछ गाड़ियों के इंजन में करने होंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि 2016 से पहले निर्मित कुछ भारत स्टेज (बीएस)-III वाहनों को ई20 पेट्रोल पर चलाने से पहले केवल कुछ रबर पाट्र्स और गैस्केट को बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है। यह बदलाव नियमित सर्विसिंग के दौरान आसानी से किया जा सकता है। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में गडकरी ने कहा कि 1 अप्रैल 2005 से लागू किए गए बीएस-III वाहनों, जो 2016 से पहले बने थे, उनमें कुछ रबर पाट्र्स और गैस्केट बदलने की जरूरत पड़ सकती है। हालांकि, यह कोई बड़ी तकनीकी समस्या नहीं है और सामान्य सर्विसिंग के दौरान इसे आसानी से बदला जा सकता है। उन्होंने बताया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम (आईआईपी), देहरादून, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) द्वारा किए गए व्यापक अध्ययनों में पाया गया कि ई-20 ईंधन के उपयोग के लिए कारों और दोपहिया वाहनों के इंजन में किसी प्रकार के संशोधन की आवश्यकता नहीं है। अध्ययनों के अनुसार, पुराने वाहनों में भी 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई-20) के उपयोग से प्रदर्शन में कोई उल्लेखनीय बदलाव या इंजन के असामान्य घिसाव का प्रमाण नहीं मिला। साथ ही ड्राइवेबिलिटी, स्टार्ट होने की क्षमता, धातु और

प्लास्टिक के पुर्जों की अनुकूलता जैसे मानकों पर भी कोई समस्या सामने नहीं आई। ईंधन की माइलेज को लेकर उठी चिंताओं पर गडकरी ने कहा कि वाहन निर्माता कंपनियों और परीक्षण एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि माइलेज कई कारकों पर निर्भर करती है और इसे केवल ई-20 ईंधन के उपयोग से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। उन्होंने बताया कि 26 दिसंबर 2020 को नीति आयोग द्वारा गठित अंतर-मंत्रालयी समिति ने पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण से जुड़े वाहनों की अनुकूलता, माइलेज और ईंधन दक्षता जैसे सभी पहलुओं का विस्तृत अध्ययन किया था। इस समिति के निष्कर्षों को इंडियन ऑयल, एआरएआई और एसआईएएम द्वारा किए गए अध्ययनों का भी समर्थन मिला।गडकरी ने कहा कि समिति की रिपोर्ट 'रोडमैप फॉर एथेनॉल ब्लेंडिंग इन इंडिया 2020-25' जून 2021 में, ई20 लागू होने से पहले जारी की गई थी। इस रिपोर्ट में ऑटोमोबाइल कंपनियों, तेल विपणन कंपनियों और कृषि विशेषज्ञों से परामर्श के बाद मटेरियल कम्पैटिबिलिटी, इंजन कैलिब्रेशन, फ्यूल सिस्टम, ड्राइवेबिलिटी, टिकाऊपन, उत्सर्जन और ईंधन दक्षता जैसे पहलुओं का विस्तार से मूल्यांकन किया गया था। उन्होंने कहा कि एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम को चरणबद्ध, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और व्यापक परामर्श आधारित प्रक्रिया के तहत लागू किया गया है।

गडकरी ने यह भी बताया कि दुनिया के कई देशों में पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से एथेनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग हो रहा है और ब्राजील जैसे देश कई दशकों से इससे भी अधिक एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन का सफलतापूर्वक इस्तेमाल कर रहे हैं।

31 जुलाई या 31 अगस्त....ITR फाइलिंग की डेडलाइन पर दूर करें हर कन्फ्यूजन

नई दिल्ली (ए.)। इनकम टैक्स रिटर्न यानी आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख को लेकर इस समय देश के लाखों करदाताओं के बीच भारी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कई लोगों को ऐसा लग रहा है कि वे 31 जुलाई के बजाय 31 अगस्त तक अपनी रिटर्न आराम से फाइल कर सकते हैं। हालांकि, आयकर विभाग के सख्त नियमों के अनुसार ऐसा हर टैक्सपेयर के लिए संभव नहीं है। आपके लिए आईटीआर दाखिल करने की सही डेडलाइन क्या होगी, यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी कमाई का जरिया क्या है और आप आयकर विभाग का कौन सा फॉर्म भर रहे हैं। आयकर विभाग के नियमों के मुताबिक, यदि आप नौकरीपेशा हैं, पेंशनभोगी हैं या फिर आपकी कमाई सिर्फ मकान के किराए, कैपिटल गेन या अन्य सामान्य स्त्रोतों से होती है, तो आपके लिए रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2026 ही है। ऐसे टैक्सपेयर्स सामान्य तौर पर आईटीआर-1 या आईटीआर-2 फॉर्म भरते हैं और इन्हें सरकार की तरफ से 31 अगस्त तक का कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया गया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने भी फिलहाल 31 जुलाई की इस डेडलाइन को आगे बढ़ाने का कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है, इसलिए ऐसे करदाताओं को आखिरी दिन का इंतजार किए बिना अपनी रिटर्न भर देनी चाहिए।

31 अगस्त 2026 तक आईटीआर भरने की छूट केवल उन सीमित टैक्सपेयर्स के लिए है, जो आईटीआर-3 या आईटीआर-4 फॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। इस श्रेणी में वे लोग आते हैं जिनकी आय किसी बिजनेस या प्रोफेशन से होती है और जिनके खातों का टैक्स ऑडिट कराना अनिवार्य नहीं होता।

शेयर मार्केट में आई तूफानी तेजी, सेंसेक्स 889 अंक उछला, निवेशकों ने कमाए 4.27 लाख करोड़

मुंबई (ए.)। वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार शानदार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस बीच, घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों में 1.1 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। बाजार में यह तेजी पिछले दिन की गिरावट के बाद आई है, जिसमें आईटी शेयरों का बड़ा योगदान रहा है। सेंसेक्स 889 अंक यानी 1.16 प्रतिशत उछलकर 77,654.60 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 265 अंक यानी 1.10 प्रतिशत बढ़कर 24,250.20 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,765.92 से 657.85 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,423.77 पर खुला और दिन में एक समय 999.57 अंक यानी 1.30 प्रतिशत उछलकर 77,765.49 पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,985.35 से 191.3 अंक यानी 0.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,176.65 पर खुला, और दिन में एक समय यह 298 अंक यानी 1.24 प्रतिशत उछलकर 24,283.55 के दिन के उच्चतम स्तर को टच कर गया।

4.27 लाख करोड़ बढ़ी निवेशकों की दौलत

एक कारोबारी दिन पहले यानी 28 जुलाई 2026 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 4,79,07,917.44 करोड़ था। आज यानी 29 जुलाई 2026 को यह बढ़कर 4,83,35,330.55 करोड़ पर पहुंच गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी में आज 4,27,413.11 करोड़ का इजाफा हुआ है।इस दौरान व्यापक बाजारों में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गई, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, तो वहीं स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 प्रतिशत की तेजी आई।सेक्टरवार देखें तो, रियल एस्टेट को छोड़कर सभी इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। आईटी, मीडिया, मेटल, फार्मा, टेलीकॉम, प्राइवेट बैंक, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स में 1-2 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जो सभी क्षेत्रों में व्यापक खरीदारी को दर्शाती है। निफ्टी 50 इंडेक्स में, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, इंफोसिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों की लिस्ट में शामिल रहे, जिनमें 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा (एम एंड एम), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, आयशर मोटर्स, बजाज-ऑटो, बीईएल, ओएनजीसी और एचडीएफसी लाइफ शीर्ष नुकसान उठाने वाले शेयरों के रूप में उभरे। इस दौरान, निवेशकों को एक ही सत्र में 4 लाख करोड़ रुपए का फायदा हुआ, क्योंकि बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) पिछले सत्र के 479 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 483 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया।इस बीच, मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा कि शेयर बाजार में तेजी आ रही है और बाजार का मूड बेहतर होने के साथ बेंचमार्क इंडेक्स करीब 900 अंक चढ़े हैं।उन्होंने कहा कि यहां उतार-चढ़ाव के बीच हमने कुछ 'वैल्यू बाइंग' (अच्छी कीमत पर खरीदारी) होते हुए देखी है।एक्सपर्ट ने आगे कहा कि जहां तक कच्चे तेल की बात है, तो यह 87 के लेवल पर है, यानी 90 से नीचे। यह 100 से तो बेहतर है, लेकिन 70 से नीचे होने जितना अच्छा नहीं है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मेसी की विरासत दागदार

फाइनल में अर्जेंटीना की टीम ना सिर्फ खराब खेली और हारी, बल्कि उसने शर्मनाक व्यवहार भी किया, इससे लायोनेल मेसी की विरासत दागदार हुई है। लेकिन कुल मिलाकर दागदार फुटबॉल का पूरा प्रशासन हुआ है।

डॉनल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिका के अंदर और बाहर नियम-कायदों और मर्यादा को तार-तार करने गहराती गई संस्कृति का पूरा साया उसकी मेजबानी में हुए दुनिया के सबसे खेल आयोजन- यानी फुटबॉल कप पर नजर आया। 39 दिन तक चले टूर्नामेंट के दौरान ये धारणा फैली कि इस टूर्नामेंट पर ट्रंप युग और ट्रंपीय कायदों का साया पड़ा हुआ है। ट्रंप की इच्छाओं के आगे फीफा के घुटने टेकने और रेफरी तथा वीडियो एस्टिटैंट रेफरी (वीएआर) के लगातार अविश्वसनीय एवं खराब निर्णयों ने ऐसे संदेहों को लगातार बल प्रदान किया। स्वाभाविक है कि ऐसे फैसलों से बार-बार लाभान्वित हुई अर्जेंटीना की टीम बहुत से फुटबॉल प्रेमियों के गुस्से का निशाना बनी।

इस हद तक कि पहली बार ऐसा हुआ, जब बीच प्रतियोगिता के दौरान किसी टीम (अर्जेंटीना) को टूर्नामेंट से निकालने के लिए ऑनलाइन मुहिम चलाई गई, जिस अर्जी पर 60 लाख से ज्यादा लोगों ने दस्तखत किए। ये कथन आम हो गया कि अर्जेंटीना के खिलाफ मैदान में उतरी टीम को रेफरी और फीफा का भी मुकाबला करना पड़ रहा है। संभवत: अर्जेंटीना के खिलाड़ी भी मानने लगे कि उनकी पीठ पर किसी का हाथ है! तभी फाइनल मैच में स्पेन से 1-0 से हार को गले उतारना उनके लिए कठिन हुआ और खेल के सबसे बड़े मंच पर वे मारपीट पर उतारू हो गए। उचित ही उनके हिंसक व्यवहार की फुटबॉल की दुनिया में व्यापक रूप से निंदा की गई है।

यह सब अपनी उम्दा कलाबाजी के लिए मशहूर, इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक- लायोनेल मेसी के नेतृत्व में हुआ, जिससे उनके करोड़ों प्रशंसकों को ठेस पहुंची है। फाइनल मैच में उनकी टीम ना सिर्फ खराब खेली और पराजित हुई, बल्कि उसने शर्मनाक व्यवहार भी किया, इससे मेसी की विरासत दागदार हुई है। लेकिन कुल मिलाकर दागदार फुटबॉल का पूरा प्रशासन हुआ है। फीफा इस पर खुश है कि उसने इस टूर्नामेंट के जरिए आमदनी का रिकॉर्ड बनाया है, लेकिन अनेक देशों की फुटबॉल एसोसिएशन और करोड़ों प्रशंसक इस 'खूबसूरत खेल' के सबसे बड़े टूर्नामेंट का बदसूरत आयोजन करने की उसकी भूमिका को लेकर फिलहाल विचलित हैं।

2047 तक भारत अमीर बनेगा या सिर्फ अमीरों का भारत?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

2047 में जब भारत अपनी आज़ादी का शताब्दी वर्ष मनाएगा, तब दुनिया केवल हमारी अर्थव्यवस्था का आकार नहीं, बल्कि यह भी परखेगी कि उस समृद्धि में कितने भारतीय सहभागी बने। प्रश्न यह नहीं होगा कि भारत 25 या 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन गया, बल्कि यह होगा कि आर्थिक शक्ति अंतिम व्यक्ति तक पहुंची या नहीं। क्या विकसित भारत का सपना हर नागरिक की वास्तविकता बनेगा, या केवल संपन्न वर्ग की उपलब्धि रह जाएगा? आज भारत जिस विकास पथ पर बढ़ रहा है, उसकी रफ्तार प्रभावशाली है, लेकिन दिशा पर गंभीर मंथन आवश्यक है। विकास तब तक अधूरा है, जब तक उसका लाभ सीमित वर्ग से निकलकर पूरे राष्ट्र तक नहीं पहुंचता। अन्यथा वह प्रगति नहीं, असमानता का विस्तार बन जाती है। इसलिए 2047 का सबसे बड़ा प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, सामाजिक और नैतिक भी है।आज के आर्थिक संकेतक उम्मीद जगाते हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आकलनों के अनुसार, यदि भारत अगले दो दशकों तक 7.5-8% की वृद्धि बनाए रखता है, तो 2047 तक उसकी अर्थव्यवस्था 25-35 ट्रिलियन डॉलर (ईवाई, पीएचडीसीसीआई सहित विभिन्न आकलनों के अनुसार) तक पहुंच सकती है। प्रति व्यक्ति आय 15,000-22,000 डॉलर रहने का अनुमान है। करोड़ों लोगों का गरीबी रेखा से बाहर निकलना बड़ी उपलब्धि है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू चिंताजनक है। विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के अनुसार राष्ट्रीय आय का 58% शीर्ष 10% आबादी के पास है, जबकि निचली 50% आबादी को केवल 15% आय मिलती है। कुल संपत्ति का 65% शीर्ष 10% के पास केंद्रित है, जबकि आधी आबादी के हिस्से में महज 6% संपत्ति है। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि विकास मॉडल का प्रतिबिंब है।

असल चुनौती विकास की रफ्तार नहीं, उसकी प्रकृति है। भारत की आर्थिक वृद्धि मुख्यत: पूंजी-गहन उद्योगों, प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र पर आधारित रही है। इन क्षेत्रों ने राष्ट्रीय आय बढ़ाई, लेकिन व्यापक रोजगार

नहीं दिए। श्रम-गहन विनिर्माण अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका। नतीजतन हर वर्ष लाखों युवा रोजगार बाजार में उतरते हैं, पर गुणवत्तापूर्ण अवसर नहीं मिलते। मध्यम वर्ग पर दबाव बढ़ रहा है और सामाजिक गतिशीलता धीमी पड़ रही है। पीएलएफ़एस 2025-26 के अनुसार महिला श्रम बल भागीदारी बढ़कर लगभग 32-40% (शहरी क्षेत्रों में करीब 25%) हुई है, फिर भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए यह पर्याप्त नहीं है। कृषि से उद्योग और सेवाओं की ओर श्रमिकों का संक्रमण भी सुस्त है, जिससे करोड़ों लोग कम उत्पादकता वाले कार्यों में अटके हैं। यही वजह है कि विकास के आंकड़े चमकते हैं, लेकिन उनकी रोशनी समाज के बड़े हिस्से तक नहीं पहुंचती। यह असमानता केवल आय की नहीं, अवसरों की भी है। देश का एक छोटा वर्ग विश्वस्तरीय अस्पतालों, निजी विश्वविद्यालयों, आधुनिक कौशल संस्थानों और वैश्विक सुविधाओं तक पहुंच रखता है, जबकि करोड़ों लोग आज भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास से वंचित हैं। क्षेत्रीय विषमता भी गहरा रही है। कुछ राज्य निवेश, उद्योग और अधोसंरचना के दम पर तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं, जबकि अनेक राज्य विकास की दौड़ में पीछे छूट रहे हैं। यदि यही तस्वीर बनी रही, तो 2047 में भारत 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने का दावा करेगा, लेकिन उसके भीतर दो भारत बसेंगे—एक समृद्ध, आधुनिक और अवसरों से परिपूर्ण; दूसरा अभाव, सीमित संभावनाओं और संघर्ष से घिरा। ऐसी खाई किसी विकसित राष्ट्र की नहीं, असंतुलित विकास की पहचान है। यही रास्ता भारत को मध्य-आय जाल (मिडिल-इनकम ट्रैप) की ओर ले जा सकता है। दुनिया के अनेक देशों ने शुरुआती दौर में तेज़ आर्थिक वृद्धि हासिल की, लेकिन मानव पूंजी, उत्पादकता और समावेशी संस्थागत सुधारों की अनदेखी ने उनकी प्रगति ठहरा दी। भारत के सामने भी यही चुनौती है। हमारा जनसांख्यिकीय लाभांश दुनिया का सबसे बड़ा अवसर है, पर यदि करोड़ों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और उत्पादक रोजगार नहीं मिले, तो यही शक्ति भविष्य का सबसे बड़ा आर्थिक और सामाजिक दायित्व बन सकती है।

उधर जलवायु परिवर्तन, जल संकट और बढ़ता शहरी दबाव विकास की राह कठिन बनाएंगे। इसलिए केवल निवेश जुटाना या जीडीपी बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा; विकास की गुणवत्ता और समावेशिता को भी समान प्राथमिकता देनी होगी। आशा की सबसे मजबूत वजह यही है कि भारत के पास संभावनाओं का अभाव नहीं, विकल्पों की प्रचुरता है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, नवाचार से संचालित स्टार्टअप संस्कृति और सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था हमारी ऐसी ताकतें हैं, जिन पर समावेशी विकास की नई इमारत खड़ी की जा सकती है। आवश्यकता केवल विकास की प्राथमिकताएं बदलने की है। पूंजी निर्माण के साथ उसे रोजगार सृजन की धुरी बनाना होगा। श्रम-गहन विनिर्माण, निर्यातोन्मुख उद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों में नई ऊर्जा भरनी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य में बड़े निवेश से मानव पूंजी सशक्त करनी होगी। क्षेत्रीय संतुलन ऐसा हो कि विकास कुछ महानगरों तक सीमित न रहे, बल्कि हर राज्य और जिले तक पहुंचे।

भगवान और भक्तों के नए भारत में लड़ाई संभव नहीं

हरिशंकर

बेचारे सोनम वांगचुक! सांस मोदी के हिंदू राष्ट्र में ले रहे हैं बावजूद इसके माने बैठे हैं कि 'जनमत को जागरूक करना और सत्ता में बैठे लोगों को समझाना, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं'। बारह वर्षों के अनुभवों में वांगचुक इतना भी नहीं समझ पाए कि मौजूदा हिंदू राष्ट्र के सिक्के के दो पहलू नहीं हैं। उसे इधर पलटिए या उधर, दोनों तरफ एक ही चेहरा है- नरेंद्र मोदी का। वही भक्तों के कलियुगी भगवान है। तभी हिंदू मानस में भगवान से जवाब-तलब नहीं होता, केवल पूजा, दर्शन और भक्ति होती है। तो कौन सा जनमत, कैसी जागरूकता और कैसी जवाबदेही?

इस सत्य का सबूत हजार साला गुलामी भी है। राम मंदिर टूटा, आक्रमण हुए, अपमान और पराधीनता का लंबा दौर बीता, लेकिन बहुसंख्यक हिंदू समाज ने कभी अपने आराध्य से यह प्रश्न नहीं किया कि 'आपके रहते यह सब क्यों हुआ'? न ही उसके भीतर. दिमाग में यह आत्ममंथन बना कि हम हर संकट का समाधान स्वयं बनने के बजाय किसी भगवान, किसी अवतार, किसी उद्धारकर्ता की प्रतीक्षा में क्यों बैठे रहते हैं?

इक्कीसवीं सदी के कथित हिंदू राष्ट्र का भी यही सत्य है। हिंदू अब नागरिक नहीं भीड़ और भक्त में कनवर्ट है। इसलिए क्योंकि नागरिक सवाल पूछता है, जवाबदेही मांगता है। वह सत्ता को अपने प्रति उत्तरदायी मानता है। जबकि भक्त प्रश्न नहीं करता; वह आस्था में जीता है और मोदी के हर निर्णय को भगवान की लीला माने रहता है।

इसलिए सोचें, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ सालों के चाल, चेहरे, चरित्र ने हिंदुओं को कैसा 'अवतार' दिया? सदियों से किसी उद्धारकर्ता की प्रतीक्षा करते समाज के सामने अंतत: नरेंद्र मोदी ऐसे स्थापित हुए कि वे या तो भगवान हैं, या मोदी ही भारत और भारत ही मोदी है। मोदी के हिंदू राष्ट्र में उन्ही की, अकेली की एक केंद्रित सत्ता है, जिसके सामने राष्ट्रपति, मंत्रिमंडल, संसद और भाजपा जैसी राजनीतिक पार्टी सभी गौण है।

खैर, माफ करना 'एचो' यह कृतघ्न लोगों का देश है

अजीत द्विवेदी

उनको 'सर' कहा जाता है। लद्दाख की अपनी भाषा में 'कागा ली' यानी 'सर'। वे अभी 59 साल के हैं, लेकिन जब 30 साल के थे तब भी लद्दाख के ज्यादातर लोग उनको 'एचो' यानी बड़ा भाई कहते थे। वे अपनी उम्र के आधार पर बड़ा भाई नहीं कहे जाते हैं और न किसी स्कूल का अध्यापक होने के नाते 'सर' कहे जाते हैं। 'बड़ा भाई' और 'सर' ये दोनों उपाधियां उन्हें लद्दाख के लोगों ने देश, समाज और मानवता के प्रति उनके योगदान को देखते हुए उनके प्रति सहज स्नेह में दी है।

तभी जब शुक्रवार की रात को सोनम वांगचुक का एक वीडियो देखा, जिसमें वे इस बात की सफाई दे रहे थे कि उन्होंने किसी के साथ कोई डील नहीं की है और उन्हें किसी से अपनी पवित्रता का प्रमाणपत्र नहीं लेना है, तो बड़ी तकलीफ हुई। लगा कि हम कितने कृतघ्न लोग हैं, जिन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को, जो बौनों की जमात में 'पूरा आदमकद' है, उसको ऐसी स्थिति में डाल दिया है!

सचमुच जो लोग सोनम वांगचुक के लिए कह रहे हैं कि वे सरकार से मिले हुए थे, उन्होंने सरकार से समझौता कर लिया, वे सरकार के एजेंट हैं, उन्होंने कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के आंदोलन को कमजोर किया और अंत में सरकार से डील कर ली आदि आदि उनको नहीं पता है वे क्या कह रहे हैं। उनके नेता जिस समय यूरोप में छुट्टी मना रहे थे उस समय सोनम वांगचुक दिल्ली की 45 डिग्री की गर्मी में भूख हड़ताल पर बैठे। उन्होंने अच्छा कहा कि लद्दाख की कड़ाके की ठंड छोड़ कर वे दिल्ली की भीषण गर्मी में अनशन पर बैठे थे। क्या उस समय उद्धव ठाकरे की पार्टी के संजय राउत और राहुल गांधी की पार्टी के इमरान मसूद को समझ में आया था कि सोनम वांगचुक सरकार के एजेंट हैं?

अगर उनको समझ में आ गया था कि सोनम वांगचुक सरकार के एजेंट हैं और एक समय आने पर वे समझौता कर लेंगे तो उसी समय उन्होंने खुद का आंदोलन क्यों नहीं शुरू कर दिया? क्यों नहीं संजय राउत या इमरान मसूद भूख हड़ताल पर बैठ गए? सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि सोनम वांगचुक ने जो किया उसमें कांग्रेस या किसी दूसरी विपक्षी पार्टी का क्या योगदान है? क्या किसी ने उनका सहयोग किया, कोई उनके साथ बैठने गया, किसी ने उनका समर्थन किया? जब कुछ किया ही नहीं तो यह हिसाब किताब लेने का अधिकार किसने दे दिया कि वे किसके एजेंट हैं और क्यों समझौता कर लिया? क्या आपकी मंशा यह थी कि वे भूख हड़ताल पर मर क्यों नहीं गए?

ध्यान रहे सोनम वांगचुक किसी विपक्षी नेता के गुलाम नहीं हैं कि उनसे पूछ कर भूख हड़ताल शुरू करेंगे और उनसे पूछ कर हड़ताल समाप्त करेंगे। वे एक गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता हैं, एक श्रेष्ठ शिक्षक हैं, एक अनुसंधानकर्ता हैं, एक प्रयोगशील व्यक्ति हैं और सबसे ऊपर उनके

फिर प्रोमिथियस की कहानी याद आई और मनुष्यों का उसके प्रति व्यवहार ध्यान आया। प्रोमिथियस को जब इंसानों की तकलीफ नहीं देखी गई तो उसने स्वर्ग से आग चुरा कर इंसानों को दिया था। इस काम से नाराज होकर जब स्वर्ग के देवताओं ने प्रोमिथियस को सलीब पर लटकाया तो इंसान उसकी तकलीफों पर ताली बजा रहे थे। यह इंसानी कृतघ्नता चिरंतन है। तभी सोनम वांगचुक के प्रति हमारी कृतघ्नता अपवाद नहीं हैं। परंतु वे ईसा मसीह की तरह इतने उदार तो हैं ही कि इंसानों के लिए कह सकें, 'हे प्रभु इन्हें माफ करना, ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं'।

अंदर बुद्ध की करुणा है। जिस समय कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने छात्रों को उनके हाल पर छोड़ दिया था उस समय सोनम वांगचुक को लगा कि देश के छात्र और युवा आक्रोश से भरे हैं और उनके गुस्से को एक सही दिशा देने की आवश्यकता है।

इसलिए वे कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में शामिल हुए और आठ दिन तक हालात का आकलन करने के बाद 28 जून से भूख हड़ताल शुरू की। वे छात्रों और युवाओं के आंदोलन की नैतिक शक्ति थे। उनकी भूख हड़ताल ने देश भर के छात्रों को किसी न किसी रूप में इस आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। युवाओं में यह धारणा बनी कि लद्दाख से आकर एक व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के उनके लिए अपनी जान दांव पर लगा रहा है इसलिए उनको भी कुछ करना चाहिए।

अगर किसी को लग रहा है कि सोनम वांगचुक भूख हड़ताल नहीं करते तब भी 'जेन जी' इतना बड़ा आंदोलन कर देता तो वह मूर्खों के स्वर्ग में रह रहा है। उसे पता नहीं है कि इस देश में युवाओं के हर आंदोलन को नैतिक शक्ति वाले किसी बुजुर्ग ने ही दिशा दी है। आजादी की लड़ाई को गांधी ने, दूसरी आजादी की लड़ाई को जेपी ने और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को अन्ना हजारे ने दिशा दी थी। ध्यान रहे 'जेन जी' के इस आंदोलन में भी किसी अभिजीत दिपके या आशुतोष रांका या सौरव दास का कोई मतलब नहीं है।

ये सब छह जून को जंतर मंतर पर प्रदर्शन करके जा चुके थे और उसके बाद दिपके ने जयपुर में प्रदर्शन किया था, जहां उनके ऊपर हमला भी हुआ था। उसके बाद वे नागपुर गए थे। कहीं भी कोई ऐसा रिस्पांस नहीं मिला, जिससे लगे कि देश के युवा उनके साथ जुड़ रहे हैं। देश के छात्र और युवा सोनम वांगचुक की नैतिक आभा से इस आंदोलन से जुड़े। यह आंदोलन इतना बड़ा इसलिए हुआ क्योंकि सोनम वांगचुक ने सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चल कर अपना जीवन होम करने का निर्णय किया था।

इसलिए यह देखना तकलीफदेह है कि उनके इस महान योगदान पर सवाल उठाए गए और उनको सफाई देनी पड़ी। सोनम वांगचुक सही अर्थों में गांधीवादी हैं। गांधी की तरह उनका जीवन ही उनका उपदेश है। दिल्ली में एक केंद्रीय विद्यालय से पढ़ाई और श्रीनगर एनआईटी से मैकेनिकल इंजीनियर की डिग्री लेकर अच्छी जगह नौकरी करने की बजाय वांगचुक 1988 में लद्दाख लौटे थे। उस समय सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की जो व्यवस्था थी और तरीका था उसमें सिर्फ पांच फीसदी लद्दाखी बच्चे बोर्ड की परीक्षा पास करते थे।

वहां सोनम वांगचुक ने 'स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख' शुरू किया। उन्होंने पढ़ाई का तरीका और शिक्षा की माध्यम भाषा दोनों को बदल दिया। उन्होंने परीक्षा में फेल हुए छात्रों के लिए 'स्कूल फॉर फेल्योर्स' शुरू किया। इसके बाद की कहानी लद्दाख के इतिहास के सबसे चमकदार अध्याय के रूप में दर्ज है। सोनम वांगचुक ने हजारों छात्रों का जीवन बदल दिया। जैसे गांधी की बुनियादी शिक्षा थी, वैसे सोनम ने लद्दाख की शिक्षा को लोगों की भाषा, उनकी संस्कृति और उनकी आवश्यकताओं से जोड़ दिया।

बाद में उन्होंने 'ऑपरेशन न्यू होप' शुरू किया और फिर अपनी पत्नी गीतांजली जे आंगमो के साथ मिल कर 'हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ ऑल्टरनेटिव लद्दाख' यानी एचआईएएल शुरू किया। उन्हें टिकाऊ विकास और टिकाऊ आवास की अवधारणा विकसित की और ऐसे घर बनाए, जो लद्दाख की जमा देने वाली ठंड में भी 15 डिग्री तक गर्म रहें। यह चमत्कार उन्होंने सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से किया। उन्होंने 'कॉनिकल आर्टिफिशयल ग्लेशियर', जिसे आम बोलचाल में 'हिम स्तूप' कहा जाता है उसे विकसित किया। इससे सर्दियों में बर्फ को इकट्ठा करके गर्मियों में पीने और सिंचाई के लिए पानी का बंदोबस्त किया जाता है। उन्होंने अपनी शिक्षा और ज्ञान से लद्दाख के लोगों का जीवन बदल दिया।उन्होंने शिक्षा को पाठ्यक्रम और किताबों से निकाल कर लोगों के जीवन का हिस्सा बना दिया। अगर ऐसा व्यक्ति छात्रों और युवाओं के आंदोलन का नेतृत्व नहीं करता तो भला कौन करता! उन्होंने अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाई।आंदोलन सफल हुआ तो सब उसका श्रेय ले रहे हैं।

मेष राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामले पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। कई दिनों से रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा।

वृष राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज घर के किसी जरूरी काम में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य जल्द पूरा करने में सफलता मिलेगी। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेनें से बचें, बेहतर यही होगा की किसी भरोसेमंद पारिवारिक व्यक्ति से काम में मदद लें तो काम आसानी से पूरे होंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन उत्साहवर्धक रहेगा। खिलाड़ियों के लिए दिन अच्छा रहेगा उन्हे अपने आईडीयल कोच का आज मार्गदर्शन मिलेगा। आज आपको महत्वपूर्ण समाचार मिल सकता है। आज कोर्ट कचहरी के मामलों में जीत हासिल हो सकती है। सामाजिक परिवेश मे आपका और बढ़ेगा लोग आपसे प्रेरित होंगे।

कर्क राशि-आज आपका दिन सार्थक रहेगा। आज कारोबार में सफलता और नौकरी में तरक्की के नए अवसर मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपकी गुम हुई कीमती वस्तु आज अचानक मिल जाएगी। कारोबार में धन प्राप्ति की दिशा में किए गए प्रयास आज सफल होंगे।

सिंह राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रही रहेगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नयी प्रॉपर्टी खरीदने के लिए आज का दिन शुभ है। घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीददारी करने के लिए जीवनसाथी के साथ मार्केट जायेंगे।

तुला राशि- आज आपका दिन नयी उमंगों से भरा रहने वाला है। आज किसी काम को पूरा करने का प्रयास सफल रहेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से काफी अच्छा रहेगा। आध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक राशि- आज का दिन लकी साबित होगा। आज के दिन की शुरुआत अच्छे विचारों से होगी। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन काफी लाभदायक रहेगा। अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन से आपको सफलता के नए रास्ते मिलेंगे। खासकर युवा सोशल मीडिया पर व्यर्थ में समय न गवाएं अपने करियर के प्रति ईमानदारी बरतें।

धनु राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। शांत और एकाग्र मन से कार्य को पूरा करने की कोशिश करें, तो कार्य जरूर पूरे होंगे। प्रतियोगी छात्र समय का सदुपयोग करके आने वाली परीक्षाओं में मनचाही सफलता हासिल कर सकते हैं। आज आपके आत्मविश्वास का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज व्यापार को बढ़ाने के लिए नए अवसर मिलेंगे।आज शैक्षणिक कार्यों में आपका मन लगेगा। प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में जुटे छात्रों को अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके जीवन में नयी खुशियां लेकर आएगा। आपका रुझान अध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। आज आपको किसी सामाजिक समारोह में जाने का मौका मिलेगा, जहां नए संपर्क बनेंगे जिसका आने वाले समय में आपको लाभ होगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। अगर आप नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं, तो इसमें आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल होने वाली है। आज करियर को लेकर लाभ मिलने वाला

नामत्सो: तिब्बत की 'स्वर्गीय झील', जहां प्रकृति, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम

ओमप्रकाश सिंह

तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में ल्हासा से लगभग 240 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम स्थित नामत्सो झील केवल एक प्राकृतिक जलाशय नहीं बल्कि तिब्बती संस्कृति, बौद्ध आस्था और वैज्ञानिक शोध का महत्वपूर्ण केंद्र है। तिब्बती भाषा में ग्नाम त्सो कहलाने वाली इस झील का अर्थ स्वर्गीय झील है। इसे तिब्बत की सबसे पवित्र झीलों में गिना जाता है और हर वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां आध्यात्मिक साधना और तीर्थयात्रा के लिए पहुंचते हैं।

समुद्र तल से करीब 4,718 मीटर की ऊंचाई पर स्थित नामत्सो दुनिया की सबसे ऊंचाई पर स्थित बड़ी खारे पानी की झीलों में शामिल है। लगभग 1,920 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली यह झील करीब 70 किलोमीटर लंबी और 30 किलोमीटर चौड़ी है। इसकी अधिकतम गहराई लगभग 125 मीटर है। झील को मुख्य रूप से न्येनचेन तांगला पर्वतमाला से आने वाले हिमनदों के पिघले पानी और मौसमी जलधाराओं से जल मिलता है।

नामत्सो का प्राकृतिक सौंदर्य इसे एशिया के सबसे आकर्षक स्थलों में स्थान दिलाता है। नीले जल, बर्फ से ढंके पर्वत, विस्तृत घास के मैदान और गर्मियों में खिलने वाले जंगली फूल यहां की पहचान हैं। सर्दियों में पूरी झील बर्फ की मोटी चादर से ढंक जाती है।कठोर जलवायु के बावजूद यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है। यहां तिब्बती हिरण, कियांग, नीली भेड़, हिमालयी मर्मोट और तिब्बती लोमड़ी जैसे दुर्लभ वन्यजीव पाए जाते हैं। झील के आसपास की आर्द्रभूमि बार-हेडेड गूज, रड्डी शेलडक, ब्राउन-हेडेड गल और संकटग्रस्त ब्लैक-नेक्ड क्रेन जैसे प्रवासी पक्षियों का भी महत्वपूर्ण आवास है।

नामत्सो सदियों से तिब्बती घुमंतू समुदाय

द्रोकपा का निवास क्षेत्र रहा है। इनकी आजीविका याक, भेड़ और बकरियों के पालन पर आधारित है। पारंपरिक याक के बालों से बने तंबू, मक्खन वाली चाय, ऊनी वस्त्र और पशुपालन यहां की सांस्कृतिक पहचान हैं।

तिब्बती बौद्ध धर्म में नामत्सो को चार प्रमुख पवित्र झीलों में गिना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि झील की परिक्रमा और यहां प्रार्थना करने से पापों का नाश होता है तथा आध्यात्मिक पुण्य की प्राप्ति होती है। लगभग 70 से 80 किलोमीटर लंबी नामत्सो कोरा परिक्रमा को अनेक श्रद्धालु कई दिनों में पैदल पूरी करते हैं, जबकि कुछ श्रद्धालु दंडवत प्रणाम करते हुए पूरी यात्रा संपन्न करते हैं। तिब्बती पंचांग के अनुसार भेड़ वर्ष में, जो हर 12 वर्ष में आता है, यहां हजारों श्रद्धालु एकत्र होते हैं।

बौद्ध धर्म के आगमन से पहले भी यह झील बोन धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र मानी जाती थी। बाद में तिब्बती बौद्ध परंपरा ने इन मान्यताओं को अपने धार्मिक दर्शन में समाहित कर लिया। झील के निकट स्थित न्येनचेन तांगला पर्वत को नामत्सो का दिव्य सहचर माना जाता है। नामत्सो के द्वीपों और चट्टानों पर स्थित गुफाओं और आश्रमों में बौद्ध भिक्षु लंबे समय तक ध्यान और साधना करते रहे हैं। ऐतिहासिक विवरण बताते हैं कि कई साधक पूरी गर्मियां इन निर्जन द्वीपों पर बिताते थे और सर्दियों में झील जमने के बाद ही वापस लौटते थे।

धार्मिक महत्व के साथ-साथ नामत्सो वैज्ञानिक अनुसंधान का भी प्रमुख केंद्र बन चुका है। नामत्सो मल्टीस्फीयर ऑब्जर्वेशन एंड रिसर्च स्टेशन के वैज्ञानिक यहां जलविज्ञान, जलवायु, हिमनदों और पारिस्थितिकी तंत्र पर लगातार अध्ययन कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार तापमान में वृद्धि, वर्षा के बदलते स्वरूप और तेजी से पिघलते हिमनदों का असर झील के जलस्तर और पूरे तिब्बती पठार की जल प्रणाली पर दिखाई दे रहा है।

हाल के वर्षों में पर्यटन बढ़ने से नामत्सो तक पहुंच आसान हुई है। ताशी दोर प्रायद्वीप पर्यटकों के लिए प्रमुख प्रवेश द्वार बन चुका है। हालांकि पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण कचरा प्रबंधन, प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और नाजुक पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। क्षेत्रीय प्रशासन ने पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए कई संरक्षण उपाय लागू किए हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि नामत्सो केवल एक झील नहीं, बल्कि तिब्बत की प्राकृतिक विरासत, सांस्कृतिक परंपरा, धार्मिक आस्था और पर्यावरणीय महत्व का जीवंत प्रतीक है।

NEET पेपर लीक केस: 20 हजार पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में, 13 आरोपी नामजद; अगली सुनवाई 3 अगस्त को

नई दिल्ली (आरएनएस)। नीट यूजी (NEET UG) पेपर लीक मामले में जांच कर रही सीबीआई ने राउज एवेन्यू कोर्ट को बताया कि इस मामले में दाखिल चार्जशीट करीब 20 हजार पन्नों की है। अदालत ने चार्जशीट को रिकॉर्ड पर लेते हुए सीबीआई को उससे जुड़े सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए अतिरिक्त समय दे दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब 3 अगस्त को होगीसुनवाई के दौरान अदालत ने सीबीआई से चार्जशीट में दर्ज गवाहों के बयान और अन्य संबंधित दस्तावेजों के बारे में जानकारी मांगी। इस पर सीबीआई ने बताया कि एनेक्सर (संलग्न दस्तावेजों) की स्कैनिंग का काम जारी है, इसलिए शेष दस्तावेज दाखिल करने के लिए कुछ और समय की आवश्यकता है। अदालत ने यह अनुरोध स्वीकार कर लिया।नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए थे, जिसके बाद सरकार ने दोषियों के खिलाफ सख्त

कार्रवाई का भरोसा दिया था। अब इस मामले में जांच तेजी से आगे बढ़ रही है।

चार्जशीट में 13 आरोपी

सीबीआई की चार्जशीट में कुल 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें एनटीए के जीवविज्ञान विशेषज्ञ मनीषा मंधारे, रसायन विज्ञान विशेषज्ञ प्रल्हाद विट्ठलराव और भौतिकी विशेषज्ञ मनीषा संजय हवलदार शामिल हैं।

इसके अलावा बिचौलियों के रूप में मनीषा संजय वाघमारे, धनंजय निवृत्ति लोखंडे, शुभम मधुकर खैरनार, यश यादव, मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल और डॉ. मनोज भगवानराव शिरुरे को भी आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट में लातूर स्थित आरसीसी कोचिंग इंस्टीट्यूट के संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर तथा पुणे स्थित एपीएमए कोचिंग इंस्टीट्यूट के भौतिकी संकाय एवं सीओओ तेजस हर्षदकुमार शाह का नाम भी शामिल है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंदिर मार्ग स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में किए दर्शन-पूजन

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को मंदिर मार्ग स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान के समक्ष राष्ट्र की प्रगति, दिल्ली के सर्वांगीण विकास तथा समाज में शांति, सद्भाव और समरसता की प्रार्थना की। उन्होंने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संत-महात्माओं एवं गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। गुरु केवल ज्ञान प्रदान करने वाले शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाले पथप्रदर्शक होते हैं। गुरु ही व्यक्ति के भीतर ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और सेवा की भावना का संचार करते हैं तथा समाज और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति की उन महान परंपराओं का पर्व है, जो हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। हमारे ऋषि-मुनियों और गुरु परंपरा ने भारत को ज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति की ऐसी अमूल्य धरोहर दी है, जिसने विश्व को सदैव प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज का दिन हमें अपने जीवन में सत्य, सेवा, अनुशासन, नैतिकता और सदाचार के मूल्यों को अपनाने का भी संदेश देता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने गुरुजनों के आदर्शों का अनुसरण करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान दें। मुख्यमंत्री ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिल्लीवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की।

रेखा सरकार ने निभाया अपना महत्वपूर्ण वादा, दिल्ली की महिलाओं को मिला सम्मान

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' महिलाओं के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगी :मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में मंगलवार को ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' (डीएलवाई) को स्वीकृति दे दी। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में योजना के दिशा-निर्देशों को स्वीकृति प्रदान की गई। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से सशक्त करना है। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इससे दिल्ली की 17 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ आयोजित प्रेस वार्ता में दिल्ली लक्ष्मी योजना की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की बहनों के आर्थिक स्वावलंबन के लिए सरकार ने जो संकल्प लिया था, आज उसे पूरा कर दिया गया है। 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के तहत सभी पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह योजना लाखों महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिखेगी। दिल्ली सरकार ने अपने कार्यकाल के केवल सवा वर्ष के भीतर महिलाओं से किया गया यह महत्वपूर्ण वादा पूरा किया है। उन्होंने दिल्ली की सभी महिलाओं को इस ऐतिहासिक निर्णय पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सरकार जनता के आशीर्वाद से बनी है और सदैव जनहित एवं महिला हित में कार्य करती रहेगी।

'उन्हें सीरियसली लेता कौन है?', कंगना रनौत ने 'गटर जनरेशन' वाले बयान पर CJP का पलटवार

नई दिल्ली (ए.)। आंदोलनकारी युवाओं और जेन-जी (Gen-Z) पीढ़ी को 'गटर जनरेशन' बताने और लड़कियों पर अश्लीलता का आरोप लगाने के बाद चौतरफा घिरीं अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत एक बार फिर अपने बयानों पर अड़ गई हैं। कंगना ने एक नया सेल्फी वीडियो जारी कर अपने विवादित बयानों का बचाव किया है और विरोध करने वालों पर तीखा निशाना साधा है। अभिनेत्री का दो टूक कहना है कि सार्वजनिक स्थलों पर अभद्र भाषा और अश्लील आचरण को किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं माना जा सकता।

CJP नेता अभिजीत दीपके और विशाल ददलानी का जोरदार पलटवार

दूसरी ओर, कंगना की इन टिप्पणियों पर राजनीतिक और बॉलीवुड गलियारों से लगातार तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कंगना के बयानों पर पलटवार करते हुए इन्हें पूरी तरह से बेतुका करार दिया है। न्यूज एजेंसी द्वारा कंगना की टिप्पणियों पर सवाल पूछे जाने पर दीपके ने चुटकी लेते हुए कहा कि उन्हें आखिर गंभीरता से लेता ही कौन है।वहीं, मशहूर गायक और संगीतकार विशाल ददलानी ने भी विरोध प्रदर्शनों के दौरान इस्तेमाल की गई कथित अभद्र भाषा पर हंगामा मचाने वालों की दोहरी मानसिकता पर सवाल खड़े किए हैं।

ददलानी ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग युवाओं की भाषा पर इतना बवाल काट रहे हैं, वे सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शनकारियों पर ढाए गए पुलिसिया अत्याचार और पेलेट गन के इस्तेमाल पर पूरी तरह से खामोश क्यों बैठे हैं।

IIT कानपुर की वेबसाइट हैक करने वाले छात्र को पुलिस केस के बजाय मिला इंटर्नशिप का ऑफर,

कानपुर(आरएनएस)। आईआईटी कानपुर के बी.टेक साइबर सुरक्षा पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं मिलने पर एक छात्र द्वारा संस्थान की वेबसाइट हैक करने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। हालांकि, इस संवेदनशील मामले में संस्थान ने पुलिस केस या कानूनी कार्रवाई (Legal Action) करने के बजाय बड़ा दिल दिखाते हुए छात्र का भविष्य सुरक्षित रखने का फैसला किया है।आईआईटी कानपुर के निदेशक प्रो. मनिंद्र अग्रवाल ने छात्र के खिलाफ एफआईआर (FIR) दर्ज कराने के प्रस्ताव को बदलते हुए, उसे संस्थान के 'CxiHub' केंद्र में इंटर्नशिप (Internship) देने पर विचार करने की बात कही है। जानकारी के मुताबिक, बी.टेक साइबर सुरक्षा प्रवेश प्रक्रिया के तहत आयोजित हैकथॉन (Hackathon) में यह छात्र अपनी प्रतिभा साबित करने में चूक गया था। इसके बाद प्रवेश खारिज होने पर उसने आईआईटी कानपुर की वेबसाइट में सेंध लगा दी और वहां एक मैसेज छोड़ दिया— "Site is Hacked, All I Need is Just a Fair Chance" (साइट हैक हो चुकी है, मुझे बस एक सही मौके की जरूरत है)।अपनी साइबर सिक्योरिटी स्किल्स साबित करने के लिए छात्र ने इस हैक के स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ÒXÓ और 'रेडिट' (Reddit) पर भी शेयर किए।

LIC ने सरकार को सौंपा 12,207 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सौंपा गया ड्राफ्ट

मुंबई (आरएनएस)। LIC ऑफ़ इंडिया के CEO और MD, आर. दोराईस्वामी ने आज केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को 12,207.25 करोड़ का डिविडेंड चेक सौंपा। यह डिविडेंड भारत सरकार के हिस्से का है, जिसे 27 जुलाई, 2026 को हुई सालाना आम बैठक (AGM) में शेयरधारकों ने मंजूरी दी थी।इस मौके पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया और LIC ऑफ़ इंडिया के अधिकारी - MD रत्नाकर पटनायक, MD श्री आर. चंदर और नॉर्दर्न ज़ोन के ज़ोनल मैनेजर (I/C) श्री एन.एस. राघवा - भी मौजूद थे। LIC अपनी स्थापना के 70 शानदार साल पूरे कर रही है और 31 मार्च, 2026 तक इसका एसेट बेस 59.03 लाख करोड़ है। यह भारतीय जीवन बीमा बाज़ार में मार्केट लीडर बनी हुई है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (CC), LIC ऑफ़ इंडिया, सेंट्रल ऑफिस,मुंबई। ईमेल आईडी: ed_cc@licindia.com वेबसाइट www.licindia.in पर जाएँ।

आंध्र प्रदेश के भक्त ने साईं बाबा को भेंट किया 1 करोड़ का सोने का मुकुट, देखकर हर कोई रह गया दंग

शिरडी (आरएनएस)। देशभर में आज आषाढ़ी गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। यह पवित्र दिन जीवन को दिशा देने वाले गुरुओं की वंदना और पूजा-अर्चना को समर्पित है। इस खास मौके पर महाराष्ट्र के प्रसिद्ध शिरडी साईं बाबा मंदिर में भक्ति और आस्था का एक अनूठा नजारा देखने को मिला, जब एक श्रद्धालु ने बाबा के चरणों में एक ऐसा अमूल्य उपहार समर्पित किया, जिसे देखकर वहां मौजूद हर कोई हैरान रह गया।

बाबा के मुकुट से पर्दा हटते ही खिले भक्तों के चेहरे

गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर जैसे ही बाबा के इस चमकदार तोहफे से पर्पल रंग का पर्दा हटाया गया, तो मंदिर प्रांगण में मौजूद श्रद्धालुओं के चेहरों पर खुशी और आश्चर्य देखते ही बन रहा था। गुरु-दक्षिणा के रूप में बाबा को यह अनोखी भेंट समर्पित की गई है, जो इस उत्सव के पहले ही दिन पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है।

642 ग्राम वजनी और अमेरिकन डायमंड्स से सजा है मुकुट

साईं बाबा को यह भव्य मुकुट आंध्र प्रदेश के वेल्लोर के रहने वाले भक्त श्रीनिवास राव ने भेंट किया है। इस खूबसूरत और चमकते सोने के मुकुट का कुल

वजन 642 ग्राम है और इसकी अनुमानित कीमत करीब 1.03 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मुकुट की सबसे बड़ी खासियत इस पर की गई नवग्रहों की बारीक नक्काशी है। साथ ही, इसे बेशकीमती रत्नों और अमेरिकन डायमंड्स से बेहद खूबसूरती के साथ सजाया गया है।

उत्सव के मुख्य दिन बाबा के शीश पर सजेगा मुकुट

श्री साईंबाबा संस्थान ट्रस्ट और मंदिर प्रशासन के मुताबिक, गुरु पूर्णिमा उत्सव के मुख्य दिन साईं बाबा की पावन प्रतिमा का श्रृंगार इसी भव्य सोने के मुकुट से किया जाएगा। गौरतलब है कि यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी भक्त ने बाबा के दरबार में इतनी कीमती भेंट चढ़ाई हो; पहले भी श्रद्धालु लाखों-करोड़ों के आभूषण और दान अर्पित करते रहे हैं। हालांकि, गुरु पूर्णिमा के खास मौके पर समर्पित किया गया यह मुकुट महज सोने का एक आभूषण नहीं, बल्कि एक भक्त की अपने गुरु और ईश्वर के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है।

रेत माफिया के खिलाफ लॉ एनफोर्समेंट की बड़ी कार्रवाई, 5.5 करोड़ कैश और 15 किलो सोना बरामद

कोलकाता(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम पुलिस की ओर से रेत माफिया टुल्लू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के खिलाफ लॉ एनफोर्समेंट ने बड़ी कार्रवाई की है। लॉ एनफोर्समेंट की ओर से की गई कार्रवाई की मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने तारीफ की है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, रेत माफिया पर कार्रवाई के लिए हमारे लॉ एनफोर्समेंट स्टाफ का काम तारीफ के काबिल है। सूत्र से मिली जानकारी के आधार पर एक सटीक ऑपरेशन के बाद बीरभूम पुलिस ने मोहम्मद बाजार पुलिस स्टेशन के तहत गैरकानूनी रेत माफिया टुल्लू मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन के ठिकाने पर एक बड़ी रेड की। मुख्यमंत्री ने लिखा, ऑपरेशन में गैरकानूनी तरीके से जमा की गई भारी मात्रा में दौलत का पता चला है। अब तक 5.5 करोड़ रुपए कैश बरामद किया गया और गिनती अभी भी जारी है। वहीं, 15 किलो सोना बरामद किया गया है।

12 साल के इस बच्चे ने 2 अरब साल का कैलेंडर चुटकियों में सुनाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, वैज्ञानिक भी हैरान

कोनासीमा(आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के डॉ. बी.आर. अंबेडकर कोनासीमा जिले से एक ऐसा अजूबा सामने आया है, जिसकी असाधारण बुद्धिमत्ता देखकर बड़े-बड़े गणितज्ञ और वैज्ञानिक भी दंग हैं। महज 12 साल का सचिन कैलकुलेटर से भी तेज गति से गणितीय गणनाएं करने, सांख्यिकी के कठिन सिद्धांतों को समझाने और रूबिक क्यूब को कुछ ही सेकंड में हल करने में माहिर है। हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 1 से 2 अरब वर्षों के बीच की किसी भी तारीख का सही दिन बताकर इस प्रतिभाशाली बच्चे ने विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। सचिन की इस हैरतअंगेज प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आधिकारिक मान्यता मिल गई है। हाल ही में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान जब निर्णायक मंडल ने सचिन से 1 से 2 अरब वर्ष पुरानी या भविष्य की तारीखों के दिन पूछे, तो उसने बिना किसी देरी के सेकंडों में सही जवाब देकर सभी को चौंका दिया। इस अकल्पनीय और दुर्लभ उपलब्धि के सम्मान में सचिन को 'इन्फ्लुएंसर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' की ओर से आधिकारिक प्रमाण पत्र और रिकॉर्ड सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है।सचिन के इस असाधारण सफर के पीछे उसके पारिवारिक माहौल और बचपन के कठिन अभ्यास का बड़ा योगदान है। कोनासीमा जिले के राजोलू मंडल के पोदलदा गांव में रहने वाले सचिन के पिता डॉ. बी.आर. अंबेडकर सत्यवरप्रसाद स्वयं कैलेंडर और सांख्यिकी के अच्छे जानकार हैं। पिता के मार्गदर्शन में सचिन ने बचपन से ही सुडोकू पहेलियां हल करना शुरू कर दिया था।

राहुल गांधी ने अमित शाह पर लगाए गंभीर आरोप तो भड़की BJP, अखिलेश यादव को सपोर्ट में उतरना पड़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद के मॉनसून सत्र में बुधवार को एंटी पेपर लीक बिल और छात्रों के प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई को लेकर भारी हंगामा हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद सदन का माहौल पूरी तरह से गरमा गया। भारतीय जनता पार्टी के सांसदों ने राहुल गांधी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उनसे माफी की मांग की। इस तीखी नोकझोंक के बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी राहुल गांधी के समर्थन में उतर आए। हंगामे को देखते हुए सदन की कार्यवाही को कुछ देर के लिए स्थगित करना पड़ा।

राहुल गांधी के अमित शाह पर गंभीर आरोप

'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का आदेश सीधे गृह मंत्री अमित शाह ने दिया था।

राहुल गांधी ने कहा कि इन बच्चों ने अपना डर निकालकर सरकार से सवाल करने की हिम्मत दिखाई है, जबकि उनके माता-पिता में भाजपा और उसके संगठन का मुकाबला करने का साहस नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी दावा किया कि गृह मंत्री डरे हुए हैं और इसी वजह से वह सदन में मौजूद नहीं हैं।

किरेन रिजिजू समेत भाजपा सांसदों ने मांगी माफी

राहुल गांधी के इन बयानों पर सत्ता पक्ष बुरी तरह भड़क गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने नेता प्रतिपक्ष के बयान का कड़ा विरोध करते हुए इसे विशेषाधिकार का हनन करार दिया। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि राहुल गांधी सदन को बताएं कि उन्होंने किस आधार पर देश के एक जिम्मेदार व्यक्ति पर इतने गंभीर आरोप लगाए हैं, अन्यथा उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए। उनके साथ ही सदन में मौजूद अन्य भाजपा सांसदों ने भी भारी हंगामा किया और राहुल गांधी के शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटाने की पुरजोर मांग की।

अखिलेश यादव ने संभाला मोर्चा, सरकार से पूछा सवाल

सदन में बढ़ते बवाल को देखते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राहुल गांधी का बचाव किया। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष ने कोई आरोप लगाया है।

तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर किसके आदेश पर पुलिस ने प्रदर्शनकारी बच्चों पर कार्रवाई की थी। अखिलेश यादव ने पूछा कि यदि यह आदेश गृह मंत्री का नहीं था, तो फिर यह किसका आदेश था। दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक चले इस भारी हंगामे और गतिरोध के चलते अंतत: लोकसभा की कार्यवाही को कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा।

भारतीय नाविकों पर हमले बर्दाशत नहीं, होर्मुज में सुरक्षित आवाजाही बहाल हो संयुक्त राष्ट्र में भारत का कड़ा संदेश

न्यूयॉर्क(आरएनएस)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) की खुली बहस में होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने इन घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए क्षेत्र में तत्काल तनाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर सुरक्षित आवाजाही बहाल करने की अपील की। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो द्वारा बुलाई गई सुरक्षा परिषद की बैठक में पी. हरीश ने बताया कि हालिया हमलों में एक भारतीय नागरिक की मौत हो चुकी है, एक अन्य लापता है और कई भारतीय घायल हुए हैं।उन्होंने कहा कि भारत इस महीने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कई जहाजों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करता है।

इनमें त्स्नस गैलेक्सी, M T अल बाहिया और M T मोम्बासा जैसे जहाज शामिल हैं। भारत ने कहा कि समुद्री यात्रियों को निशाना बनाना और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर स्वतंत्र एवं सुरक्षित आवाजाही में बाधा डालना पूरी तरह अस्वीकार्य है। भारत ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र प्रभावी रास्ता बताया।

जापान में 7.1 तीव्रता के भूकंप का कहर, गैस विस्फोट से पूरा शॉपिंग मॉल तबाह; 13 लोगों की दर्दनाक मौत

कुमामोटो(ए.)। जापान के दक्षिण-पश्चिमी कुमामोटो इलाके में आए 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। भूकंप के विनाशकारी झटके इतने तेज थे कि कई इमारतें और पुल जमींदोज हो गए।

काशिमा शहर में भूकंप के बाद हुए एक भीषण गैस विस्फोट में पूरा शॉपिंग मॉल तबाह हो गया है। इस भयानक प्राकृतिक आपदा और हादसों में अब तक 13 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि भारी संख्या में लोग घायल हुए हैं। मलबे में अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है, जिन्हें बचाने के लिए बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

9 हजार से ज्यादा लोग राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने टोक्यो में हालात की गंभीरता की पुष्टि करते हुए कहा कि भूकंप से बड़े पैमाने पर इमारतों को नुकसान पहुंचा है, जगह-जगह आग लगने की घटनाएं हुई हैं और सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई हैं। सरकार के प्रवक्ता मिनोरू किहारा के अनुसार, 7 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। क्यूशू द्वीप के तीन अलग-अलग इलाकों में 506 राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां 9,000 से अधिक लोग शरण ले चुके हैं। कुमामोटो में 36,880 से ज्यादा घरों की बिजली गुल हो गई है, जिससे पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया है।

शिंदो पैमाने के सर्वोच्च स्तर पर मापे गए झटके, मॉल में मौत का तांडव

स्थानीय नागरिकों के मुताबिक, उन्होंने अपने जीवन में कभी इतना शक्तिशाली भूकंप महसूस नहीं किया। जापान के सात स्तर वाले शिंदो पैमाने पर इसे सबसे ऊंचे स्तर पर दर्ज किया गया है, जहां किसी भी इंसान का खड़ा रहना असंभव हो जाता है। काशिमा शहर के एक शॉपिंग मॉल में भूकंप के करीब आधा घंटे बाद जोरदार गैस विस्फोट हुआ, जिससे दूसरी मंजिल पूरी तरह ढह गई और मॉल मलबे के ढेर में बदल गया। यहां मरने वालों में कम से कम दो महिलाएं शामिल हैं। राहतकर्मी मुड़े हुए लोहे और लटकती तारों के बीच फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं।

फैक्ट्री पर गिरी विशाल चिमनी, 9 लोग लापता

यात्सुशिरो स्थित निप्पॉन पेपर इंडस्ट्रीज की एक फैक्ट्री में भी बड़ा हादसा हुआ है। वहां लाल-सफेद रंग की एक विशालकाय चिमनी टूटकर फैक्ट्री के ऊपर गिर गई, जिससे 9 कर्मचारी लापता बताए जा रहे हैं। इसके अलावा, भूकंप की तीव्रता से एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई और सड़कें फट जाने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। हालात को देखते हुए शिंकानसेन बुलेट ट्रेन सेवाओं को भी बंद कर दिया गया है।

सेना के 3,600 जवान रेस्क्यू में तैनात, ऐतिहासिक किले को नुकसान

भूकंप के झटकों से सदियों पुराने ऐतिहासिक कुमामोटो किले की दीवार का एक बड़ा हिस्सा भी ढह गया है। राहत और बचाव कार्य को तेज करने के लिए जापानी सेना ने अपने 3,600 जवानों को प्रभावित इलाकों में तैनात किया है।

ट्रंप का दावा- ईरान परमाणु समझौते के लिए बेहद इच्छुक, विफलता पर फिर हमले की दी चेतावनी

वॉशिंगटन (ए.) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान वॉशिंगटन के साथ समझौता करने का "बेहद इच्छुक" है और उसने मूल रूप से यह मान लिया है कि वह परमाणु हथियार नहीं रख सकता, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बातचीत विफल रही तो अमेरिकी सेनाएं फिर से हमले शुरू कर सकती हैं।ट्रंप ने ये बातें रिपब्लिकन कांग्रेसमैन एंडी ओगल्स के लिए एक वर्चुअल कैंपेन रैली और फॉक्स न्यूज को दिए एक अलग इंटरव्यू में कहीं।ट्रंप ने टेनेसी में वोटर्स से कहा, "उनके (ईरान) पास कभी न्यूक्लियर हथियार नहीं होंगे और वे यह बात समझते हैं। हमने उन पर बहुत जोरदार प्रहार किया है और वे किसी भी तरह डील करना चाहते हैं।" फॉक्स न्यूज के साथ इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच कुछ बहुत अच्छी बातचीत हुई है। उन्होंने ईरान के उन बयानों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि न्यूक्लियर मामलों पर कोई चर्चा नहीं हो रही है।

उन्होंने कहा, "कभी-कभी ऐसा होता है कि हम किसी बहुत अच्छी चर्चा के बीच में होते हैं और वे बाहर आकर कहते हैं कि हम बात नहीं कर रहे हैं या हमने न्यूक्लियर पर चर्चा नहीं की, जबकि हमने सिर्फ उसी पर चर्चा की क्योंकि उनके पास कभी न्यूक्लियर हथियार नहीं होंगे, वे यह समझते हैं।"ट्रंप ने कहा कि ईरान असल में अमेरिका की मांग मान गया है, लेकिन उसने अभी तक अपनी इस बात को आधिकारिक रूप से पक्का नहीं किया है।उन्होंने कहा, "मैं बस इतना चाहता हूं, उनके पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए, बस इतनी सी बात है। वे असल में इस बात के लिए मान गए हैं, हमें बस उनसे इसे आधिकारिक करवाना है, लेकिन वे इसके लिए सहमत हो गए हैं। "राष्ट्रपति ने कहा कि वे और ज्यादा सैन्य कार्रवाई के बजाय किसी समझौते को प्राथमिकता देंगे। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेहरान ने समझौता करने से इनकार किया, तो वे ईरान के पुलों, बिजलीघरों और दूसरे बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमले करेंगे।ट्रंप ने कहा, "अगर वे समझौता नहीं करते हैं, तो मैं वापस जाऊंगा और अपना काम पूरा करूंगा।"

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अमेरिका 'पिकएक्स माउंटेन' पर हमला कर सकता है, जहां खबर है कि ईरान निर्माण और किलेबंदी का काम कर रहा है।

यूक्रेन के चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर जहाज के पास हमला, 13 भारतीय नाविकों समेत 15 क्रू मेंबर फंसे

कीव (ए.)। यूक्रेन के चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर खड़े मालवाहक जहाज 'एमवी अमीर-1' पर ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच 13 भारतीय नाविकों समेत कुल 15 क्रू सदस्य फंस गए हैं। जहाज के आसपास लगातार हो रहे हवाई हमलों के कारण चालक दल की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया ने बताया कि युद्ध जैसे हालात में नाविक हर पल सीधे हमले की आशंका के साये में जी रहे हैं। यूनियन के अनुसार, मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है और किसी भी समय हालात और बिगड़ सकते हैं। यूनियन ने भारत सरकार, जहाज के फ्लैग स्टेट और संबंधित अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है। साथ ही सभी नाविकों को सुरक्षित निकालकर जल्द से जल्द स्वदेश वापस लाने की मांग की है।ब्लैक सी क्षेत्र में हाल के दिनों में जहाजों पर ड्रोन और मिसाइल हमलों में बढ़ोतरी ने भारतीय समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

टेलीग्राम के संस्थापक पावेल डुरोव पर रूस ने लगाया आतंकवाद में मदद का आरोप

मॉस्को, (ए.) । रूस की फ़ेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के संस्थापक पावेल डुरोव पर आतंकवादी गतिविधियों में मदद करने के आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय वांटेड सूची में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू

के मुताबिक, एफएसबी द्वारा जारी बयान में कहा गया कि पावेल डुरोव के खिलाफ रूसी आपराधिक संहिता की धारा 205.1 (भाग 1.1) के तहत आतंकवादी गतिविधियों में मदद करने के आरोप में आपराधिक जांच चल रही है।रूसी एजेंसी का आरोप है कि टेलीग्राम ने रूसी कानूनों का उल्लंघन करते हुए ऐसे कई चैनलों, चैट और बॉट्स को नहीं हटाया, जिनका कथित तौर पर यूक्रेनी विशेष सेवाओं, आतंकवादी और चरमपंथी संगठनों द्वारा रूस में तोड़फोड़, आतंकवादी हमलों, सामूहिक हत्याओं और साइबर धोखाधड़ी जैसी गतिविधियों की योजना बनाने और समन्वय के लिए इस्तेमाल किया गया। एफएसबी ने दावा किया कि इन कथित गतिविधियों के कारण महिलाओं और बच्चों सहित कई लोगों की जान गई तथा बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान हुआ है।एजेंसी के अनुसार, पावेल डुरोव को अंतरराष्ट्रीय वांटेड सूची में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और मामले की जांच जारी है

रूस से तेल खरीदने पर सख्ती! अमेरिकी सीनेट का बड़ा बिल, भारत समेत 5 देशों पर 100% टैरिफ का खतरा

वाशिंगटन (ए.) । अमेरिकी सीनेट ने रूस पर नए प्रतिबंधों से जुड़ा एक अहम बिल पारित कर दिया है। यदि यह कानून लागू होता है तो रूस से तेल खरीदने वाले भारत समेत पांच देशों पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता है। बिल का उद्देश्य यूक्रेन युद्ध के बीच रूस पर आर्थिक दबाव

बढ़ाना है।सीनेट में इस बिल के पक्ष में 86 और विरोध में 12 वोट पड़े। यह प्रस्ताव दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम की पहल पर तैयार किया गया था और इसे उस समय सदन में पेश किया गया, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अमेरिकी संसद के दौरे पर थे।बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर कड़े आर्थिक कदम उठाने का प्रावधान है। इनमें भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान शामिल हैं। अमेरिका का कहना है कि इस कदम का मकसद देशों को रूस के साथ ऊर्जा व्यापार कम करने के लिए प्रेरित करना है।पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग बाधित होने के कारण भारत ने रूसी कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी। पहले भारत अपने कुल तेल आयात का करीब 40% होर्मुज मार्ग से प्राप्त करता था, लेकिन हालात बदलने के बाद रिफाइनरियों ने रूस को प्रमुख विकल्प बनाया।अमेरिका ने अगस्त 2025 में रूस के साथ ऊर्जा व्यापार को लेकर भारत पर 25% टैरिफ लगाया था। बाद में रूस के साथ भारत के व्यापारिक संबंध जारी रहने पर तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे बढ़ाकर 50% कर दिया था। इससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव भी बढ़ा और वार्ताएं प्रभावित हुईं।हालांकि, अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान आने पर ऊर्जा संकट की आशंका के चलते अमेरिका ने कुछ समय के लिए रूसी तेल पर लगाए गए प्रतिबंधों में ढील दी थी।

फीचर

गुलाब की पंखुड़ियों का इन 5 तरीकों से करें इस्तेमाल, मिठाइयों का स्वाद हो जाएगा दोगुना

गुलाब की पंखुड़ियां न केवल खुशबूदार होती हैं, बल्कि इनमें कई फायदेमंद गुण भी होते हैं। क्या आप जानते हैं कि गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल मिठाइयों में भी किया जा सकता है? इससे न केवल मिठाइयों का स्वाद बढ़ता है, बल्कि उन्हें एक अनोखा रंग और खुशबू भी मिलती है। इस लेख में हम आपको बताते हैं कि कैसे आप गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल करके अपनी मिठाइयों को खास बना सकते हैं।

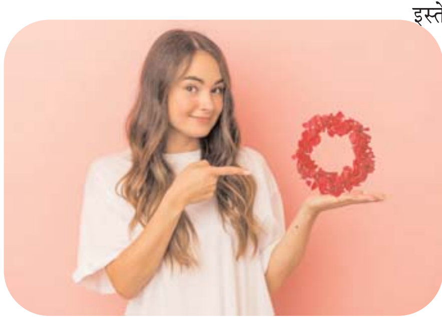

गुलाब का हलवा

गुलाब का हलवा एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।इसके लिए आपको सूजी, घी, चीनी और गुलाब की पंखुड़ियों की ज़रूरत होगी। सबसे पहले सूजी को घी में भून लें, फिर उसमें पानी डालकर पकाएं। जब सूजी पक जाए तो इसमें चीनी मिलाएं और अंत में गुलाब की पंखुड़ियां डालें।यह हलवा न केवल स्वादिष्ट है बल्कि इसकी खुशबू भी बहुत आकर्षक है।

गुलाब की जलेबी

जलेबी एक लोकप्रिय भारतीय मिठाई है, जिसे आप गुलाब की पंखुड़ियों के साथ खास बना सकते हैं।इसके लिए सबसे पहले मैदा और पानी का घोल तैयार करें, फिर उसमें थोड़ा-सा गुलाब का अर्क मिलाएं। अब इस घोल को गर्म तेल या घी में गोल-गोल आकार में तल लें।जब जलेबियां तले हुए तेल से निकल जाएं तो उन्हें गर्मागर्म चीनी की चाशनी में डालें और ठंडा करके परोसें।

गुलाब की खीर

खीर एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है, जिसे चावल, दूध और चीनी से बनाया जाता है। अगर आप इसमें थोड़ी-सी ताजगी चाहते हैं तो इसमें गुलाब की पंखुड़ियां मिला सकते हैं।इसके लिए सबसे पहले चावल को दूध में पकाएं, फिर उसमें चीनी डालकर पकाएं जब तक कि यह गाढ़ी न हो जाए। अंत में इसमें ताजगी देने के लिए ताजे गुलाब की पंखुड़ियां डालें।इससे खीर का स्वाद और भी बढ़ जाएगा और इसकी खुशबू भी बहुत मोहक होगी।

गुलाब की आइसक्रीम

गुलाब की आइसक्रीम एक अनोखी और स्वादिष्ट मिठाई है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले दूध, मलाई, चीनी और गुलाब का अर्क मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। अब इस मिश्रण को फ्रीजर में जमने रखें जब तक कि यह पूरी तरह से जम न जाए।जब आपकी आइसक्रीम जम जाए तो उसमें ताजे गुलाब की पंखुड़ियां डालें और फिर से फ्रीजर में रखें। आपकी गुलाब की आइसक्रीम तैयार है।

गुलाब के लड्डू

लड्डू एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है, जिसे बेसन या सूजी से बनाया जाता है। अगर आप इसमें थोड़ी-सी ताजगी चाहते हैं तो उसमें गुलाब की पंखुड़ियां मिला सकते हैं।इसके लिए सबसे पहले बेसन या सूजी को घी में भून लें, फिर उसमें चीनी मिलाकर ठंडा होने दें। अंत में इसमें ताजगी देने के लिए ताजे गुलाब की पंखुड़ियां डालें। इससे लड्डू का स्वाद और भी बढ़ जाएगा और इसकी खुशबू भी बहुत आकर्षक होगी।

सीरीज मुसाफिर कैफे में सुधा का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों पर छाई वेदिका पिंटो

दिव्य प्रकाश दुबे के मशहूर उपन्यास पर बनी सीरीज मुसाफिर कैफे इन दिनों सुर्खियों में है. सीरीज में सुधा का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों पर छा जाने वाली एक्ट्रेस कोई और नहीं, बल्कि वेदिका पिंटो हैं. स्क्रीन पर उनकी सादगी, मासूमियत और बेहतरीन अदाकारी की जमकर तारीफ हो रही है. सोशल मीडिया पर फैंस उनकी खूबसूरती और एक्टिंग के दीवाने हो चुके हैं.वेदिका पिंटो बॉलीवुड का उभरता हुआ चेहरा हैं, जिन्होंने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से अलग पहचान बनाई है. कम समय में ही उन्होंने अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस से दर्शकों का ध्यान खींचा है.उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2019 में पंजाबी सिंगर ऋ्रविज के सुपरहिट म्यूजिक वीडियो लिग्गी से की. वो अपनी बेहतरीन डांसिंग और बोल्ड लुक की वजह से रातों-रात इंटरनेट पर वायरल हो गई थीं.वेदिका पिंटो ने साल 2022 में फिल्म ऑपरेशन रोमियो से बॉलीवुड में कदम रखा. इसमें सिद्धांत गुप्ता, भूमिका चावला और शरद केलकर जैसे एक्टर्स भी नजर आए थे. हालांकि, उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी.वेदिका पिंटो बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ भी काम कर चुकी हैं. दोनों ने साथ में फिल्म गुमराह में साथ काम किया था. इसमें मृणाल ठाकुर और रोनित रॉय भी लीड रोल में हैं.

इसके अलावा वेदिका पिंटो फिल्म निशांची में भी नजर आ चुकी हैं, जिसके डायरेक्टर अनुराग कश्यप हैं. ये फिल्म 19 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी.इस फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे, मोनिका पंवार, कुमुद मिश्रा, मोहम्मद जीशान अय्यूब और विनीत कुमार सिंह जैसे एक्टर्स नजर आए थे. हालांकि, ये बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई.वेदिका पिंटो को आखिरी बार निशांची के सीक्वल में देखा गया था. ये फिल्म 14 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन उनकी ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली.मुसाफिर कैफे के जरिए वेदिका पिंटो ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है. यह उनकी पहली वेब सीरीज है, जिसमें उन्होंने सुधा त्रिपाठी का किरदार निभाया है.वेदिका पिंटो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उन्हें 476के फॉलोअर्स हैं. वो अक्सर अपनी खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिन्हें उनके फैंस बेहद पसंद करते हैं.वेदिका पिंटो अपनी खूबसूरती, स्टाइल और ग्लैमरस अंदाज से फैंस का ध्यान खींचती रहती हैं. उनकी शानदार पर्सनैलिटी और एलिगेंट लुक्स अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहते हैं. अपनी सादगी और फैशन सेंस से वो लोगों का दिल जीत लेती हैं.मुसाफिर कैफे की बात करें तो ये एक रोमांटिक ड्रामा वेब सीरीज है, जिसमें विक्रांत मैसी, वेदिका पिंटो और महिमा मकवाना लीड रोल में हैं. तीनों की तिकड़ी लोगों को काफी पसंद आ रही है.इसके डायरेक्टर रुचिर अरुण है. इस सीरीज को अपनी कहानी के साथ-साथ खूबसूरत सीन्स के लिए काफी पसंद किया जा रहा है. इसकी शूटिंग उत्तराखंड के मसूरी की वादियों और मध्य प्रदेश के भोपाल में की गई है.

कृति सैनन ने ठुकरा दी थीं ये फिल्में, नाम जानकर रह जाएंगे हैरान

कृति सैनन ने पिछले एक दशक में अपने दमदार अभिनय और हर तरह के किरदारों के दम पर बॉलीवुड में खास पहचान बनाई है। रोमांस, कॉमेडी से लेकर गंभीर भूमिकाओं तक, उन्होंने हर शैली में खुद को साबित किया है। हालांकि, सफलता के इस सफर के दौरान कृति ने कई बड़ी फिल्मों के प्रस्ताव भी ठुकराए। ऐसे में आइए जानते हैं वे कौन-सी चर्चित फिल्में थीं, जिनमें काम करने से उन्होंने इनकार कर दिया था।साल 2015 में रिलीज हुई अक्षय कुमार कि फिल्म सिंह इज ब्लिंग में मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाने का ऑफर भी कृति को दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसमें काम करने से साफ इनकार कर दिया था।साल 2017 में आई फिल्म हाफ गर्लफ्रेंड के निर्माता मुख्य भूमिका में कृति को लेना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इस ऑफर को ठुकरा दिया। चेतन भगत के उपन्यास पर आधारित इस फिल्म को बाद में श्रद्धा कपूर ने किया था। साल 2018 में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज 2 में कियारा आडवाणी का किरदार पहले कृति को ऑफर हुआ था। हालांकि, उन्होंने इसे करने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि उनकी मां को यह भूमिका पसंद नहीं आई थी।एक्शन थ्रिलर फिल्म मलंग साल 2020 में रिलीज हुई थी। मोहित सूरी इस फिल्म में कृति को लेना चाहते थे, लेकिन उनके पास समय न होने की वजह से इस फिल्म में दिशा पाटनी को लिया गया।साल 2021 में आई ओटीटी फिल्म हसीन दिलरुबा में रानी सक्सेना का किरदार कृति को पेश किया गया था, लेकिन उन्होंने इसमें काम करने से साफ मना कर दिया। फिर तापसी पन्नू ने इसमें काम किया।2021 में ही रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की फिल्म धमाका के निर्माताओं ने कृति को इसका ऑफर दिया था, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। ऐसे में बाद में मृणाल ठाकुर ने इस भूमिका को निभाया था।

हेपेटाइटिस के 5 शुरुआती संकेत, नजरअंदाज करने की न करें गलती

हेपेटाइटिस लीवर की सूजन से जुड़ी एक बीमारी है। इसके कई प्रकार होते हैं, जिनमें से कुछ वायरस संक्रमण के कारण होते हैं, जबकि अन्य शराब के ज्यादा सेवन या कुछ अन्य बीमारियों के कारण होते हैं। हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस बी के बारे में लोगों को काफी जानकारी होती है, लेकिन हेपेटाइटिस सी के बारे में ज्यादा लोग नहीं जानते हैं। आइए आज हम आपको हेपेटाइटिस के कुछ ऐसे संकेत बताते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना महंगा पड़ सकता है।

त्वचा और आंखों का पीला पड़ना

अगर आपकी त्वचा या आंखों का सफेद भाग पीला पड़ने लगे तो समझ जाइए कि यह हेपेटाइटिस का एक शुरुआती संकेत हो सकता है। इसे पीलिया कहा जाता है और यह लीवर के ठीक से काम न करने के कारण होता है।इसके अलावा हेपेटाइटिस के कारण शरीर में कुछ तत्वों का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे त्वचा का रंग पीला हो सकता है।

थकान महसूस होना

अगर आपको लगातार थकान महसूस हो रही है तो यह भी हेपेटाइटिस का शुरुआती संकेत हो सकता है।

इस बीमारी के कारण लीवर की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिससे शरीर में थकान और कमजोरी महसूस होने लगती है।इसके अलावा हेपेटाइटिस के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर भी कम हो जाता है। अगर आप भी लगातार थकान महसूस कर रहे हैं तो डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं।

भूख का न लगना

हेपेटाइटिस के कारण भूख कम लगती है या बिल्कुल नहीं लगती है। इसके कारण खाना खाने का मन नहीं करता और खाने की इच्छा खत्म हो जाती है।अगर आपको कुछ दिनों से भूख कम लग रही है या बिल्कुल नहीं लग रही है तो डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं। इससे आप सही समय पर बीमारी का पता लगा सकते हैं और उसका इलाज कर सकते हैं।

पेट में सूजन या दर्द होना

अगर आपके पेट में सूजन या दर्द हो रहा है तो इसे नजरअंदाज न करें। यह भी हेपेटाइटिस का एक शुरुआती संकेत हो सकता है।इसके अलावा हेपेटाइटिस के कारण पेट में गैस, जलन या भारीपन भी हो सकता है।अगर आपको लंबे समय तक पेट में सूजन या दर्द हो रहा है तो डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं। इससे आप सही समय पर बीमारी का पता लगा सकते हैं और उसका इलाज कर सकते हैं।

पेशाब का रंग गहरा पड़ना

अगर पेशाब का रंग पीला, भूरा या लाल हो रहा है तो यह हेपेटाइटिस का एक शुरुआती संकेत हो सकता है।हेपेटाइटिस के कारण लीवर ठीक से काम नहीं कर पाता और इससे शरीर में कुछ तत्वों का स्तर बढ़ जाता है, जिससे पेशाब का रंग गहरा पड़ जाता है। अगर आपको लंबे समय तक पेशाब का रंग गहरा हो रहा है तो डॉक्टर से संपर्क करें और जरूरी जांच करवाएं।

बदलते बस्तर का संदेश लेकर दिल्ली रवाना हुआ बस्तर का प्रतिनिधिमंडल

राष्ट्रपति से करेंगे मुलाकात, बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति से कराएंगे परिचित

रायपुर,(आरएनएस)। बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सामाजिक परंपराओं और बदलते बस्तर की नई तस्वीर को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से बस्तर के परगना मांझी, चालाकी, समाज प्रमुख, बस्तर पंडुम-2026 के प्रसिद्ध जनजातीय युवा कलाकार, जनजातीय समाज प्रतिनिधि तथा बस्तर के पद्मश्री सम्मान प्राप्तकर्ताओं सहित 164 व्यक्तियों का प्रतिनिधिमंडल आज दिल्ली के लिए रवाना हुआ। यह प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में माननीय राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मुलाकात करेगा तथा बस्तर की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था से उन्हें अवगत कराएगा।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्य राष्ट्रपति के समक्ष यह संदेश भी रखेंगे कि आज का बस्तर हिंसा और भय की पहचान से निकलकर शांति, विकास और विश्वास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। बस्तर के युवा अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रतिभा के बल पर देशभर में नई पहचान बना रहे हैं। वे राष्ट्रपति को बताएंगे कि शासन की विकासोन्मुखी पहल और सुरक्षा बलों के सतत प्रयासों से नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है, जिससे बस्तर में शिक्षा, पर्यटन, रोजगार और जनजीवन को नई गति मिली है। प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति के प्रति बस्तरवासियों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए संदेश देंगे कि अब बस्तर की पहचान केवल प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति ही नहीं, बल्कि शांति, विकास, लोकतांत्रिक भागीदारी और नई उम्मीदों से भी जुड़ चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव में हुए शामिल

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में राज्य के पदक विजेता खिलाड़ियों को दी प्रोत्साहन राशि

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव के समापन सत्र में शामिल हुए। उन्होंने राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कॉन्क्लेव में विगत मार्च-अप्रैल में छत्तीसगढ़ में हुए देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में राज्य के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की। छत्तीसगढ़ में पहली बार इस स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न सत्रों में देशभर से आए खेल प्रशासकों, नीति निर्माताओं, स्पोर्ट्स साइंटिस्ट्स, नामचीन खिलाड़ियों, विशेषज्ञों और खेल संघों के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाओं, खेल प्रतिभाओं की खोज, प्रशिक्षण और सुदृढ़ खेल अधोसंरचना के रोडमैप पर दिनभर मंथन किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा कि विशेषज्ञों के बीच आज दिनभर हुए गंभीर विचार-विमर्श से राज्य में खेल और खिलाड़ियों की बेहतरी के कार्यों को सार्थक एवं प्रभावी दिशा मिलेगी। राज्य में खेलों के विकास के लिए यह कॉन्क्लेव मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने छत्तीसगढ़ में गंभीरता से काम हो रहे हैं। उत्कृष्ट खेल मिशन के अंतर्गत खेल अधोसंरचना को मजबूत करने इस साल के बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। हमने हाल ही में प्रदेशभर के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची को मंजूरी दी है, जिन्हें आगे जाकर सरकार नौकरी में लाभ देगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों को खेलने के लिए अच्छा मंच उपलब्ध कराने बस्तर ओलंपिक, सरगुजा ओलंपिक और खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के आयोजन राज्य में हुए हैं। बस्तर ओलंपिक में करीब चार लाख और सरगुजा ओलंपिक में लगभग साढ़े तीन लाख खिलाड़ियों ने भागीदारी की है। राज्य की खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर और संसाधन देने की आवश्यकता है। इसके लिए हम लोग सक्रियता से काम कर रहे हैं।उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव कहा कि यह कॉन्क्लेव छत्तीसगढ़ को खेलों के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में बहुत मददगार होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में खेल और खिलाड़ियों की तरक्की और बेहतरी के लिए लगातार काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियों में प्राकृतिक, शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत युवा निकलते हैं। प्राथमिक कक्षाओं से ही बच्चों की खेल प्रतिभा को पहचान कर उन्हें तराशने और संवारने की कार्ययोजना पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज विशेषज्ञों के जो अमूल्य सुझाव और मार्गदर्शन प्राप्त हुए हैं, उन पर निश्चित रूप से अमल किया जाएगा। आज के निष्कर्षों को शामिल कर हम विस्तृत कार्ययोजना बनाएंगे और उसे प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करेंगे।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संचालक मती तनुजा सलाम, ओलंपियन जिन्सन जॉनसन, प्रख्यात शिक्षाविद एवं खेल वैज्ञानिक डॉ. रत्नेश सिंह, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया, हाई परफॉर्मेंस एनॉलिस्ट रोनक कोठारी, पीईएफआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पियूष जैन, खेलो इंडिया के उप महानिदेशक मयंक वास्तव और पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर राजेश चौहान सहित प्रदेश के अनेक खिलाड़ी, प्रशिक्षक, सभी जिलों के खेल अधिकारी एवं खेल संघों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में कॉन्क्लेव में शामिल हुए।

मौसम की चुनौती के बीच किसानों के साथ प्रशासन

सुकमा (आरएनएस)। जिले में अनियमित एवं कम वर्षा की संभावित परिस्थितियों को देखते हुए जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा द्वारा किसानों को समय पर वैज्ञानिक कृषि परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। सोशल मीडिया, व्हाट्सएप समूह, ग्राम स्तरीय बैठकों एवं कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को मौसम आधारित कृषि तकनीकों, जल संरक्षण एवं फसल प्रबंधन की जानकारी निरंतर दी जा रही है, ताकि प्रतिकूल मौसम के प्रभाव को कम करते हुए किसानों की फसल, उत्पादन और आय को सुरक्षित रखा जा सके। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खेतों में मेड़बंदी कर वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण करने तथा शेष धान रोपाई को उपलब्ध नमी का उपयोग करते हुए शीघ्र पूरा करने की सलाह दी है। विलंबित वर्षा की स्थिति में कम अवधि में पकने वाली धान की किस्मों को प्राथमिकता देने के साथ-साथ ऊपरी एवं कम पानी वाले क्षेत्रों में मक्का, रागी, कुटकी, उड़द, कुल्थी एवं तिल जैसी कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों की खेती करने का सुझाव दिया गया है।

यातायात पुलिस की सतर्कता से चोरी की बाइक बरामद, क्यूआरटी-1 टीम की सराहनीय कार्रवाई

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर की यातायात पुलिस ने सतर्कता और तकनीकी जांच के दम पर चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद कर सराहनीय सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई 26 जुलाई की शाम राम मंदिर वीआईपी चौक पर यातायात व्यवस्था के दौरान की गई।

जानकारी के अनुसार, क्यूआरटी-1 टीम में तैनात प्रधान आरक्षक रामूराम महिलांगे और आरक्षक संजय नेताम ने एक मोटरसाइकिल पर तीन युवकों को आते देखा। वाहन की नंबर प्लेट संदिग्ध लगी, क्योंकि आगे की नंबर प्लेट के अंतिम चार अंक मुड़े हुए थे और पीछे नंबर प्लेट ही नहीं थी। शक होने पर पुलिस ने बाइक को रोककर पूछताछ की, लेकिन चालक वाहन के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका।

इसके बाद पुलिस ने मोबाइल डिवाइस के माध्यम से वाहन के पंजीयन और तकनीकी विवरण की जांच की। शुरुआती जानकारी में वाहन किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत मिला, लेकिन संपर्क करने पर उसने बताया कि उसकी बाइक सुरक्षित घर पर खड़ी है। इसके बाद पुलिस ने चेचिस नंबर का मिलान किया, जिससे बाइक के वास्तविक मालिक रोहित कुमार यादव निवासी गरियाबंद का पता चला।

रोहित कुमार यादव ने पुलिस को बताया कि उनकी मोटरसाइकिल फरवरी 2025 में चोरी हो गई थी और इस संबंध में थाना फिंगेश्वर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। फिंगेश्वर पुलिस से पुष्टि होने के बाद बरामद बाइक को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर संबंधित थाने के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने क्यूआरटी-1 टीम की सतर्कता और तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग की सराहना करते हुए कहा कि यातायात पुलिस केवल ट्रैफिक व्यवस्था ही नहीं, बल्कि अपराध नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। साथ ही नागरिकों से वाहन खरीदने-बेचने के दौरान पूरी जांच-पड़ताल करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान ने 60 अनुसूचित जाति किसानों को बांटे बैटरी संचालित स्प्रेयर

रायपुर (आरएनएस)। अनुसूचित जाति के किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने और उनकी आजीविका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (ICAR-NIBSM), रायपुर ने महत्वपूर्ण पहल की है। संस्थान ने अनुसूचित जाति उपयोजना (SCSP) के अंतर्गत बेलटुकरी गांव के 60 किसानों को बैटरी संचालित स्प्रेयर वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराकर खेती की दक्षता बढ़ाना, कृषि लागत को कम करना और उत्पादन एवं आय में वृद्धि को बढ़ावा देना है। संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने अपने संदेश में कहा कि अनुसूचित जाति उपयोजना के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र, वैज्ञानिक तकनीक और क्षमता विकास कार्यक्रमों से जोड़ने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और उनकी आजीविका मजबूत करने के लिए संस्थान आवश्यकता आधारित तकनीकों और कृषि विस्तार गतिविधियों को प्राथमिकता दे रहा है।कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक डॉ. अनिल दीक्षित ने धान की रोपाई के बाद अपनाई जाने वाली आवश्यक सस्य क्रियाओं और वैज्ञानिक खरपतवार प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर खरपतवार नियंत्रण करने से फसल की बेहतर वृद्धि होती है और उत्पादन में बढ़ोतरी होती है।वहीं संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने धान की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान, रोकथाम और समेकित प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीकों से किसानों को अवगत कराया। उन्होंने किसानों को समय पर कीट एवं रोग नियंत्रण उपाय अपनाने की सलाह दी।लाभार्थी किसानों ने बैटरी संचालित स्प्रेयर और वैज्ञानिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए संस्थान का आभार जताया। किसानों ने कहा कि आधुनिक उपकरणों की सहायता से कीट एवं रोग प्रबंधन सहित अन्य कृषि कार्य कम समय और कम लागत में अधिक प्रभावी तरीके से किए जा सकेंगे।

मेघा एनीकट पर जानलेवा सफर, उफनते पानी के बीच जोखिम उठाकर गुजर रहे लोग

धमतरी, (ए.)। जिले में रूक-रूककर भारी बारिश हो रही है, इससे जनजीवन प्रभावित है। लगातार हो रही बारिश के कारण धमतरी जिले के मगरलोड विकासखंड स्थित मेघा एनीकट पूरी तरह लबालब हो गया है। एनीकट के ऊपर से तेज़ बहाव के साथ पानी बह रहा है, इसके बावजूद कई लोग अपनी जान जोखिम में डालकर बाइक और पैदल आवागमन कर रहे हैं। तेज़ धार के बीच वाहन निकालते लोगों की तस्वीरें चिंता बढ़ा रही हैं। जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी का बहाव लगातार बना हुआ है, फिर भी कुछ लोग लापरवाही बरतते हुए एनीकट पार करने की कोशिश कर रहे हैं। प्रशासन और पुलिस द्वारा ऐसे स्थानों से दूर रहने तथा सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग अपनाने की लगातार अपील की जा रही है। बारिश के इस दौर में थोड़ी-सी असावधानी भारी पड़ सकती है। मालूम हो कि जिले में रूक-रूककर भारी बारिश हो रही है, इससे जनजीवन प्रभावित है। धमतरी जिला अंतर्गत नगरी ब्लाक के देउरपारा-सिहावा क्षेत्र में बारिश के दबाव के चलते पुल बह जाने से ग्राम सिरसिदा, छिपलीपारा, देवपुर, सोनामगर, भैसामुड़ा, चारगांव, मेचका, रिसगांव, भीतररास सहित अनेक गांवों का संपर्क टूट गया है।जिले के प्रमुख गंगरेल बांध में 30 हजार क्यूसेक से अधिक पानी की आवक हो रही है।

'' एक पेड़ माँ के नाम '' : लायंस क्लब कोरबा ने निगम के साथ मिलकर किया वृक्षारोपण

कोरबा (आरएनएस)। '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान में लायंस क्लब कोरबा ने निगम के साथ मिलकर अपनी महती सहभागिता दी तथा निहारिका पंतजलि स्टोर से स्मृति उद्यान तक संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने आयुक्त आशुतोष पाण्डेय एवं निगम के अधिकारियों के साथ मिलकर लगातार हो रही रिमझिम बारिश के बीच वृक्षारोपण किया। संस्था के पदाधिकारियों ने उक्त मार्ग पर लगाये गये पौधों की देखरेख एवं संरक्षण का संकल्प लेते हुये हरित कोरबा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वन विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कोरबा के संकल्प के साथ विगत 18 जुलाई से '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण का कार्य संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज कोरबा के निहारिका पंतजलि स्टोर से स्मृति उद्यान तक वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, कोरबा की प्रतिष्ठित संस्था लायंस क्लब कोरबा ने इस महत्वपूर्ण अभियान में अपनी सहभागिता निभाई तथा आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के साथ मिलकर संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने लगातार हो रही रिमझिम बारिश के बीच उक्त मार्ग पर वृक्षारोपण किया। इस मौके पर आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के साथ ही रविशंकर सिंह, दीपक अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल श्वेता, दिनेश राठौर, राजकुमार अग्रवाल उत्सव, अशोक बजाज, पुरूषोत्तम अग्रवाल, इंदु राजवाड़े, उत्तम श्रीवास, गोपाल जायसवाल, निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा, उपायुक्त नीरज कौशिक, उद्यान अधीक्षक आनंद सिंह राठौर सहित अन्य लोगों ने वृक्षारोपण किया।

खेल समाचार

CWG 2026: 34 गोल्ड के साथ टॉप पर ऑस्ट्रेलिया, 12 मेडल जीतकर नौवें स्थान पर भारत

नई दिल्ली (ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को भारत की झोली में दो सिल्वर मेडल और आए, जबकि तीन मुक्केबाजों ने अपने मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत की कुल मेडल की संख्या अब 12 हो चुकी है। हालांकि, मेडल टैली पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा लगातार बरकरार है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऑस्ट्रेलिया अब तक कुल 78 मेडल अपने नाम कर चुका है। इसमें 34 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया की टक्कर में इस समय कोई नहीं है। कनाडा मेडल टैली में 35 मेडल के साथ दूसरे स्थान पर है। कनाडा ने 13 गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए हैं। इंग्लैंड मेडल टैली में तीसरे स्थान पर मौजूद है। इंग्लैंड ने अब तक कुल 43 मेडल जीते हैं, जिसमें 10 गोल्ड, 18 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल हैं।

मेजबान स्कॉटलैंड फिलहाल चौथे स्थान पर है। स्कॉटलैंड की झोली में अब तक 15 मेडल आए हैं। इसमें 7 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। 6 गोल्ड और कुल 11 मेडल के साथ नाइजीरिया मेडल टैली में पांचवें स्थान पर बना हुआ है। वहीं, भारत टॉप 10 में बरकरार है। छठे दिन दो सिल्वर मेडल जीतने के बाद भारत 9वें स्थान पर काबिज है। भारत ने कुल 2 गोल्ड, 7 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: बॉक्सर साक्षी ने देश के लिए पक्का किया मेडल, महिला 51 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचीं

ग्लासगो(ए.)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की महिला मुक्केबाज साक्षी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 51 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उन्होंने नॉर्दन आयरलैंड की कैटलिन फायर्स को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर भारत के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है।एसईसी हॉल-5 में खेले गए इस मुकाबले में साक्षी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और तीनों राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। पांचों जजों ने मुकाबला साक्षी के पक्ष में दिया और उन्हें सर्वसम्मत निर्णय के आधार पर विजेता घोषित किया। सभी जजों ने साक्षी को 29 अंक दिए, जबकि फायर्स को 25 से 27 अंकों के बीच अंक मिले। दूसरे राउंड में फायर्स का एक अंक चेतावनी के कारण काटा गया, जिससे भारतीय मुक्केबाज की बढ़त और मजबूत हो गई।इस जीत के साथ साक्षी ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। कॉमनवेल्थ गेम्स के बॉक्सिंग फॉर्मेट के तहत सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों को ब्रॉन्ज मेडल मिलता है, इसलिए उनका कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्का हो गया है। अब साक्षी अपनी अगली बाउट जीतकर गोल्ड मैच तक पहुंचना चाहेंगी। साक्षी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी भारतीय बॉक्सर हैं; उनसे पहले प्रीति, प्रिया और जादुमनी सिंह भी अपनी-अपनी वेट कैटेगरी में अंतिम चार में जगह बना चुके हैं। प्रिया ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 60 किग्रा सेमीफाइनल में शानदार एंट्री की। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में स्कॉटलैंड की नियाम मिशेल को प्वाइंट्स के आधार पर 4-1 से हराया।वहीं, प्रीति ने नॉर्दर्न आयरलैंड की निकोल क्लाइड के खिलाफ एकतरफा और सर्वसम्मत फैसले से जीत हासिल कर महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

18वां रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट 1 अगस्त से, आयोजन समिति गठित

पटना,(ए.)। 18वें रणधीर वर्मा इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल संचालन के लिए सात सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। पूर्व आईपीएस रणधीर वर्मा फाउंडेशन के संस्थापक-सह-सचिव एवं भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सतीश राजू ने बुधवार को समिति के गठन और तैयारियों की आधिकारिक जानकारी साझा की।उन्होंने बताया कि यह निर्णय आज आयोजन समिति की बैठक में लिया गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की जिम्मेदारी सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन को सौंपी गई है।मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए प्रतियोगिता की तिथि में बदलाव किया गया है। अब यह टूर्नामेंट 25 जुलाई के स्थान पर 1 अगस्त से श्रीकृष्णा क्रिकेट मैदान, खेमनीचक में खेला जाएगा।राजेश यादव, विकास कुमार गोल्डी, कंचन कुमारी, विकास सिंह, मोहित श्रीवास्तव, सचिन राणावत, अभिराम शर्मा आयोजन समिति की सदस्य होंगे।वहीं भौतिक चिकित्सा टीम में डॉ यश्मित कुशान एवं डॉक्टर पूरब सिन्हा को शामिल किया गया हैसभी मुकाबले 21-21 ओवर के नॉकआउट फॉर्मेट में होंगे, जिससे हर मैच निर्णायक और रोमांचक होगा।

ICC रैंकिंग: शुभमन गिल बने वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज, वैभव ने लगाई लंबी छलांग

दुबई (ए.)। बुधवार को जारी आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल एक बार फिर वनडे में दुनिया के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, वैभव सूर्यवंशी को भी टी20 रैंकिंग में जबरदस्त फायदा पहुंचा है।हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारत की 3-0 की जीत के बाद वैभव ने ताजा टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में 230 पायदान की छलांग लगाई है। 15 वर्षीय वैभव टॉप 50 रैंकिंग में शामिल हो गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मुकाबलों में वैभव ने 50.33 की औसत से खेलते हुए 151 रन बनाए थे और उन्हे 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था। वैभव 536 रेटिंग पॉइंट्स के साथ अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 48वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।ईशान किशन क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं। ईशान के 910 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। तिलक वर्मा ने दो पायदान की छलांग लगाई है और वह छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि श्रेयस अय्यर सात स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को भी बड़ा फायदा हुआ है। जिम्बाब्वे सीरीज में 3 विकेट लेने के साथ ही वह टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में 31 स्थान की छलांग लगाकर 41वें नंबर पर आ गए हैं।सीरीज गंवाने के बावजूद जिम्बाब्वे के कई खिलाड़ियों को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। रयान बर्ल टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की रैंकिंग में छह स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 85वें स्थान पर आ गए, जबकि तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजराबानी गेंदबाजी रैंकिंग में 10 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गए।वनडे फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल से नंबर एक की कुर्सी को भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ले लिया है। मिचेल जनवरी से दुनिया के नंबर एक वनडे बल्लेबाज बने हुए थे। हालांकि, मिचेल के हाल में इंटरनेशनल मैचों में न खेलने की वजह से भारतीय ओपनर फिर से टॉप पर आ गया है।वनडे बॉलिंग रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला। नामीबिया के बाएं हाथ के स्पिनर बर्नार्ड शोल्ट्ज ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए टॉप सात में जगह बनाई। उन्होंने यूट्रेक्ट में नेपाल और नीदरलैंड के साथ हुई आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 ट्राई-सीरीज में शानदार खेल दिखाया।

एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह के हाथों में कमान

नई दिल्ली, (ए.)। हॉकी इंडिया ने बुधवार को जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले 20वें एशियाई खेल 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कप्तानी स्टार डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम के उपकप्तान होंगे।

भारत मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया था। इस बार भी टीम का लक्ष्य खिताब बचाने के साथ-साथ लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक का सीधा कोटा हासिल करना होगा।

गोलकीपिंग की जिम्मेदारी मोहित एचएस और सूरज करकेरा संभालेंगे। रक्षापंक्ति में जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच शामिल हैं।मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा और विवेक सागर प्रसाद टीम की कमान संभालेंगे। वहीं आक्रमण की जिम्मेदारी दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह और अभिषेक के कंधों पर होगी।भारतीय टीम को पूल-ए में मेजबान जापान, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 सितंबर को इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम 22 सितंबर को श्रीलंका, 24 सितंबर को दक्षिण कोरिया, 26 सितंबर को जापान और 28 सितंबर को बांग्लादेश से भिड़ेगी।मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर कहा कि यह बेहद अनुभवी टीम है और सभी खिलाड़ियों का लक्ष्य एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है।कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उन्हें टीम के हर खिलाड़ी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा संतुलन टीम की सबसे बड़ी ताकत है। खिलाड़ियों को बिना दबाव के अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

स्कूल में मनाई गई गुरु पूर्णिमा

आदि गुरु महर्षि वेदव्यास जयंती पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गुरु पर्व

द चैम्प्स फन स्कूल में गुरु.शिष्य परंपरा एवं भारतीय संस्कृति का दिया गया प्रेरणादायी संदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। ईशान परिसर स्थित द चैम्प्स फन स्कूल में आज गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा सम्मान एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती जूही चटर्जी प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी उप प्राचार्य श्रीमती काकोली रॉय चौहान स्कूल कोऑर्डिनेटर श्रीमती रीना मालवीय तथा एडमिन ऑफिसर श्रीमती विनीता जसलानी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। प्रार्थना उपरांत विद्यालय की शिक्षिका सुश्री स्वाति कहार ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर कहा कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले शिक्षक ही नहीं बल्कि जीवन को सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने गुरुजनों के प्रति सदैव सम्मान श्रद्धा एवं कृतज्ञता का भाव रखने का संदेश दिया। प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में बताया कि गुरु पूर्णिमा आदि गुरु महर्षि वेदव्यास जी की जयंती के उपलक्ष्य में मनाई जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति में गुरु.शिष्य परंपरा के महत्व से अवगत कराया तथा कहा कि गुरु ही वह प्रकाश हैं जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने चातुर्मास के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को इस

अवधि में अच्छे संस्कार एवं अनुशासित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने नमस्ते शब्द का वास्तविक अर्थ समझाते हुए बताया कि यह केवल अभिवादन नहीं बल्कि सामने वाले के प्रति सम्मान विनम्रता और आदर प्रकट करने का माध्यम है। सांस्कृतिक क्रम में विद्यार्थियों ने भावपूर्ण गुरु वंदना प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥ गुरु श्लोक का श्रद्धापूर्वक पाठ किया। जिससे सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। विद्यालय में गुरु सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती जूही चटर्जी प्राचार्य डॉ आशीष चटर्जी उप प्राचार्य श्रीमती काकोली रॉय चौहान स्कूल कोऑर्डिनेटर श्रीमती रीना मालवीया एडमिन ऑफिसर श्रीमती विनीता जसलानी एवं समस्त शिक्षकों को पुष्प एवं नारियल भेंट कर उनके प्रति सम्मान श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की। संचालन सुश्री खुशी पटेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम प्रभारी सुश्री आकांक्षा दुबे राही गुरु पूर्णिमा का यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए भारतीय संस्कृति गुरु.शिष्य परंपरा एवं नैतिक मूल्यों को समझने तथा अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना को सुदृढ़ करने वाला एक प्रेरणादायी अवसर सिद्ध हुआ।

समेरिटन्स ग्रुप में श्रद्धा के साथ मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

शिक्षकों का हुआ सम्मान

नर्मदापुरम (निप्र)। समेरिटन्स ग्रुप के सभी स्कूलों में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। समूह की मुख्य शाखा मालाखेड़ी स्थित सांदीपनी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय परिवार द्वारा संस्था निदेशक डॉ आशुतोष कुमार शर्मा का श्रीफल व शॉल भेंटकर सम्मान किया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती और महर्षि वेद व्यास के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व वंदना के साथ हुई। संस्था निदेशक डॉ शर्मा ने उपस्थित सभी शिक्षकों का तिलक लगाकरए पुष्पहार पहनाकर और उपहार देकर सम्मान किया।

डॉ. शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि हैए जो अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। गुरु शिष्य परंपरा पर आधारित सुंदर गीत कविताएं भी प्रस्तुत की गई कार्यक्रम का संचालन नीलम तिवारी ने किया। कार्यक्रम में प्राचार्य श्रीमती प्रेरणा रावत शिखा खंपरियाए विक्रांत खंपरियाए कॉर्डिनेटर आरण्केण्सिंह आदि उपस्थित रहे।

भगवान भोलेनाथ की आज से होगी विशेष भक्ति महीने भर होंगे महारूद्राभिषेक

मंदिरों में होगे भजन कीर्तन और अन्य धार्मिक अनुष्ठान

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर में श्रावण माह में अनेक स्थानों पर पूरे महिने भर विशेष आयोजन होंते हैं। पूरे श्रावण भर भगवान भोलेनाथ की विशेष भक्ति के तहत अनेक स्थानों पर धार्मिक अनुष्ठान का सिलसिला शुरू हो गए हैं। श्रावण माह रूद्राभिषेक होंगे। जिसमें शिवार्चन समिति के द्वारा आचार्य पं सोमेश परसाई, नर्मदा तट पर और नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में पं गोपाल प्रसाद खड्डुर के आचार्चत्व शाम के समय पंडितों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महारूद्राभिषेक के आयोजन बीते अनेक वर्षो की तरह आयोजित होंगे। दोनों स्थानों पर आदिदेव महादेव की पंचोपचार से पूजन अर्चन के बाद महारूद्राभिषेक करने के बाद विशेष श्रृंगार किया जाएगा।

सम्पूर्ण श्रावण मास रुद्राभिषेक

शिवार्चन समिति के तत्वाधान एवं आचार्य पंडित सोमेश परसाई के सान्निध्य में विगत अनेक वर्षों से श्रावण मास में जनकल्याण के लिए आयोजित महारुद्राभिषेक के आयोजन होगें। जिसमें भगवान शिव के नित्य पार्थिवेश्वर स्वरूप की अनुष्ठानात्मक पूजा व अभिषेक पूरे महीने भर चलेगा। नित्य भगवान शिव के अद्धुद विग्रह का मृतिका से निर्माण होगा। भगवान का नित्य दूध, दही, शहद, शक्कर सहित फलों के रस व दिव्य औषधियों से अभिषेक होगा। जिसमें भारी संख्या में जनसमूह प्रात: 6 बजे से ओम नम: शिवाय व हर हर महादेव के जयघोष करते हुए सम्मिलित होंगे। पंडित पंकज पाठक ने बताया कि प्रत्येक सोमवार को भगवान की दिव्य भस्म आरती व महाआरती होगी नाना प्रकार के फूलों से भगवान का मनोहारी श्रृंगार होगा।

हाऊसिंग बोर्ड में होंगे महारूद्राभिषेक

हाऊसिंग बोर्ड में सेवाश्रम नर्मदा मंदिरम में पं गिरिमोहन गुरू के द्वारा बीते 32 वर्षो की तरह इस वर्ष भी संपूर्ण श्रावण माह महारूद्राभिषेक के आयोजन किए जांएगे। उन्होने बताया कि श्रावण है। पं गुरू के द्वारा पिछले 15 वर्षों तक नर्मदा सेवाश्रम से पंचाक्षरी मंत्र ऊं नम: शिवाय लेखन माला के पत्रक के माध्यम से महामंत्र लेखन भी कराया गया है।भी जारी की जाती है। पंचाक्षरी लेखन माला के प्रपत्र सेवाश्रम से नि:शुल्क वितरित किए जाते रहे हैं।

काले महादेव में होंगे विशेष श्रृंगार

श्रावण माह के प्रत्येक सोमवार को नर्मदा तट के गोल घाट पर स्थित प्राचीन काले महादेव मंदिर में उज्जैन के महाकालेश्वर की तर्ज पर भगवान कालेमहादेव का विशेष श्रंगार किया जाएगा। मंदिर में पुष्पों, पत्रों, मेवाओं सहित वर्फ और अन्य सामग्री से भगवान भोलेनाथ का श्रंगार किया जाएगा। उसके बाद भस्म आरती की जाएगी। यहां हर सोमवार को शिव भक्तों का तांता लगा रहता है।

सावन के महीने भर चलेगा मानस महोत्सव

नर्मदापुरम (निप्र)। गुरु पूर्णिमा के बाद श्रावण मानस महोत्सव के आयोजन होंगे। इस संबंध में श्रावण मानस महोत्सव के तहत शर्मा परिवार के द्वारा बीते अनेक वर्षों की तरह सत्संग भवन में मानस महोत्सव श्रावण माह की पूर्णिमा तक पूरे एक महीने तक चलेगा। महोत्सव सत्संग भवन सेठानी घाट पर आयोजित होगा जिसमें प्रतिदिन श्रीरामचरित मानस के मासपारायण का संगीतमय रूप से सामूहिक पाठ किया जाता है। यह महोत्सव का बीते अनेक वर्षों से जारी है। साथ ही यहां पर सत्संग भी होता है। इस मानस महोत्सव में शहर के कोई भी श्रद्धालु पहुंच कर रामचरित मानस के पाठ में शामिल हो सकते हैं। पं गिरजा शंकर शर्मा ने कहा कि श्रावण माह में रामचरित मानस के पाठन का विशेष महत्व मिलता है। इसलिए यह आयोजन वर्षों से संचालित हो रहा है।

आषाढ़ माह की पूर्णिमा सुबह हुए स्नान शाम को हुई मां की महाआरती

नर्मदा तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, खूब हुए धार्मिक अनुष्ठान

नर्मदापुरम (निप्र)। माह की पूर्णिमा पर नर्मदा तट के सभी प्रमुख घाटों पर स्नानार्थियों की अच्छी खासी भीड़ रही। सुबह से ही स्नान का क्रम शुरू हो गया था। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का तांता पूरे दिन लगा रहा। हर घाट पर लोग उमड़ते रहे। विशेष स्नान पर्व का लाभ लेने के लिए दूर.-दराज, क्षेत्रीय तथा स्थानीय हजारों लोग घाटों पर पहुंच कर स्नान दान का पुण्य लाभ लेते रहे। है। इस पुण्य अवसर पर नर्मदापुरम सहित अन्य अनेक स्थानों पर मेले लगते रहे। नर्मदा तट पर लाखों रुपयों का कारोबार हुआ। इसे व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। नर्मदा तट के मंदिरों में पूजन अर्चन के क्रम दिन भर जारी रहे। घाटों पर बैठे हुए सैंकड़ों दरिद्र नारायणों को दान दक्षिणा देकर पुण्य लाभ लिया जा रहा था। कई श्रद्धालुओं के द्वारा भगवान सत्यनारायण की कथा भी कराई जा रही थी।

हुए भंडारे और हवन के आयोजन

पूर्णिमा पर कई ग्रामीण क्षेत्र के किसानों ने अपनी ट्राली में अपने गांव के परिजनों को लेकर आए तथा नर्मदा तट के सर्किट हाउस परमहंस घाट के समीप लोक निर्माण कार्यालय के सामने पीपल, वटवृक्ष व नीम के पेड़ों

के नीचे तथा धर्मशालाओं में भोजन बनाकर भंडारे का आयोजन किया। पूरा परिसर भंडारे करने वालों से घिरा हुआ था। भंडारे का क्रम अनेक दिनों से नियमित रूप से जारी है इसलिए सर्किट हाउस के पास मेला जैसा लगा हुआ है। शाम के समय सत्संग भवन रामलीला स्थल पर पंडितों के द्वारा 251 दीपों से मां नर्मदा की महा आरती की गई। मौसम साफ था इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धाल मौजूद थे।

गुरु पूर्णिमा पर शासकीय उच्चतर कन्या शाला में नैतिक शिक्षा एवं नशामुक्ति कार्यशाला आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शासकीय उच्चतर कन्या शाला में गायत्री परिवार के तत्वावधान में नैतिक शिक्षा एवं नशामुक्ति कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में गायत्री परिवार के

यूके सिंह के द्वारा छात्राओं को गुरु पूर्णिमा का आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व बताते हुए गुरु दीक्षा गुरु से प्राप्त प्रेरणाओं तथा उनके आदेशों एवं आदर्शों का जीवन में पालन करने की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। साथ ही विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा नशामुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अर्चना मिश्रा एवं समस्त शिक्षिकाएँ उपस्थित रहीं। प्राचार्या श्रीमती मिश्रा ने अपने शांतिकुंज हरिद्वार प्रवास के अनुभव छात्राओं के साथ साझा किए तथा पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा के जीवन विचारों एवं युग निर्माण अभियान की जानकारी दी। उन्होंने गायत्री परिवार द्वारा समाज में नैतिक जागरण संस्कार निर्माण एवं नशामुक्ति के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

पश्चिम मध्य रेल

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

क्र.–इटी/टीआरएस/डब्ल्यूसी /08/26–27

दिनांक:– 27–07–2026

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (टी.आर.एस), विद्युत लोको शेड, पश्चिम मध्य रेल, न्यू यार्ड, इटारसी, भारत के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए दिनांक 22.08.2026 को 15.00 बजे तक ई–टेन्डर निम्नानुसार आमंत्रित करते हैं– **ई–निविदा क्रमांक:** इटी/टीआरएस/डब्ल्यूसी/08/26–27, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** "रिपेयर / रिकंडिशनिंग ऑफ 1750 एलपीएम कम्प्रेशरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स्"।, **निविदा की अनुमानित लागत ₹:** 11,62,91,826,09/– **बयाना राशि ₹:** 23,25,900/–, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 36 माह, **1.** ई–निविदा प्रपत्र एवं ई–निविदा से संबंधित पूर्ण जानकारी वेवसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। **2.** निविदा कमांक इटी/टीआरएस/डब्ल्यूसी /08/26–27 के "मिनिमम एलिजिबिलिटी क्राईटेरिया" के लिए डेफिनेशन ऑफ सिमिलर नेचर वर्क" इस प्रकार है "मेन्यूफेक्चरिंग"/ सप्लाई/रिपेयर/रिहेब्लिटेशन/एएमसी/ ओवरहॉलिंग ऑफ मेन कम्प्रेशर ऑफ बी.जी. इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स/डीजल लोकोमोटिव्स/ईएमयू/मेमु/डेमु/ट्रेन सेट/मेट्रो "। (हस्ता.)

कृते वरि. मण्डल विद्युत इंजीनियर (टी.आर.एस)
विद्युत लोको शेड पश्चिम मध्य रेल, इटारसी

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

सांसद के समर्थन में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

अशोभनीय टिप्पणी पर की एफआईआर की मांग

नर्मदापुरम। सांसद दर्शन सिंह चौधरी के संबंध में सोशल मीडिया पर की गई कथित अशोभनीय एवं आपत्तिजनक पोस्ट और टिप्पणी के विरोध में सांसद समर्थकों एवं भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। भाजपा नेताओं पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक साईंकृष्णा थोटा को ज्ञापन सौंपते हुए फेसबुक का पोस्ट डालने वाले के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रति अभद्र एवं अशोभनीय भाषा का प्रयोग न केवल लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है बल्कि इससे समाज में गलत संदेश भी जाता है। उन्होंने मांग की कि मामले की गंभीरता से जांच कर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक जीवन से जुड़े जनप्रतिनिधियों के संबंध में इस प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का प्रयास न करे। भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्त्ताओं ने सांसद के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्षेत्र के विकास एवं जनहित के मुद्दों को लगातार मजबूती से उठाते रहे है। उनके सम्मान और गरिमा के विरुद्ध की जाने वाली किसी भी प्रकार की अशोभनीय टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अखिलेश खंडेलवाल, पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य योगेंद्र सिंह राजपूत नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव संदेश पुरोहित हंसराय भाजपा जिला महामंत्री श्रीमती ज्योति चौरे भाजपा जिला उपाध्यक्ष लोकेश तिवारी राजेश गौर प्रशांत अग्रवाल भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष जोगिंदर सिंह रोहित गौर मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत मंडल अध्यक्ष गोकुल पटेल महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मोनिका चौकसे पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीमती अर्चना पुरोहित श्रीमती रंजना मीना मनीष परदेशी नंदू यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं सांसद समर्थक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गुरु स्थानों पर सुबह से शाम तक लगा रहा तांता, नवाया शीष मिला शुभाशीष

नर्मदापुरम। गुरूपूर्णिमा का पावन पर्व नर्मदा नगरी में भक्ति भाव के साथ मनाया गया। गुरुजनों के शिष्यों ने गुरु स्थान पर पहुंच कर गुरु को प्रणाम कर सम्मान किय। गुरुजनों ने भी शुभाशीष दिया। शहर में विभिन्न स्थानों पर शिष्यों ने प्राचीन परंपरा के तहत अपने गुरूजनों के पास पहुंचकर श्रद्धा पूर्वक गुरुदक्षिणा दी। गुरूकुल में सुबह से लेकर शाम तक कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहा। वहीं रामजी बाबा की समाधि पर अनेक स्थानीय अनुयायिओं ने आकर पूजन अर्चन कर माथा टेका। सांई मंदिरों में पूजन हवन हुए। इसी प्रकार गायत्री मंदिर में भी हवन के आयोजन हुए। सुबह से लेकर दोपहर तक शहर के अनेक गुरु स्थानों पर शिष्यों का तांता लगा रहा। बांद्राभान में नर्मदा मंदिर कहार समाज के द्वारा रामजी बाबा समाधि के पास गांव के लोगों का भंडारा किया गया।

यहां हुए सामान्य कार्यक्रम

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर शहर के दादा कुटी में पूजन अभिषेक विशाल भंडारा हुआ, गुरुकुल, ऋषिकुल, माधव आश्रम, श्रीधर आश्रम, रामजी बाबा समाधि स्थल, पर तांता लगा रहा। अनेक शिष्य पं सोमेश परसाई का सम्मान करने के लिए उनके निवास पर पहुंचे। इसके अलावा नर्मदा मंदिर के पुजारी पं गोपाल प्रसाद खड्डुर का सम्मान करने के लिए भी उनके शिष्य पहुंचे।

मंदिरों में दर्शन कर लिया पुण्य लाभ

नर्मदा मंदिर, गायत्री मंदिर, जगदीश मंदिर, शहर के साई मंदिर, डीईओ कार्यालय के पास हनुमान मंदिर, खेड़ापति हनुमान मंदिर सहित अनेक मंदिरों में भी अनेक भक्तों ने जाकर वहां पर भगवान की प्रतिमाओ के दर्शन किए वहीं अपने अपने गुरूजनों को भी प्रणाम कर शुभाशीष प्राप्त किया।

OFFICE OF THE MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM (MP)

cmohoshangabad@mpurban.gov.in

NIT NO. NPN/PWD/2026/4633 4667 **Narmadapuram Date 28/07/2026**

//Notice Inviting Tenders//

(1st Call)

MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM intends to empanel Architects/Consultants for preparation and execution of Detailed Project Reports (DPR) of Works and Projects under MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM. Tenders are hereby invited on a per-centage fee basis of the cost of project works.

SL No.	Tender No.	Name of work	Earnest Money Deposit	Cost of Bid Document	Period of Completion
1.	2026_UAD_524627_1	Request for Proposal (RFP) for Empanelment of Architects/ Consultants for Preparation & Approval of DPR of Shopping complex, auditorium, sports complex,beautification(structural design and elevation works) Projects under MUNICIPAL COUNCIL NARMADAPURAM(MP)	5000/-	2000/-	36 Months

The Bid Document can be Download only online from 28/07/2026 (10.00) to 14/08/2026 (17.30) hour for more information:- https://mptenders.gov.in

Chief Municipal Officer
Municipal Council Narmadapuram

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com